राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन की मासिक पत्रिका

स्काउट गाइड ज्योति

वर्ष-23 | अंक-05 | नवम्बर 2022 | कुल पृष्ठ-28 | मूल्य- ₹15

जम्बूरी कार्यों की समीक्षा बैठक एवं स्थल पर चल रही गतिविधियां

1. माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत की अध्यक्षता में विभिन्न विभागों द्वारा किये जा रहे जम्बूरी कार्यों की समीक्षा बैठक।
2. स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य जीएलआर निर्माण कार्य का अवलोकन करते हुए, अन्य कार्यों की भी समीक्षा की गई।
3. जम्बूरी स्थल पर सर्विस रोवर शिविर में झण्डारोहण एवं रीको के वरिष्ठ अधिकारी निर्माण कार्य की प्रगति से अवगत होते हुए।

स्काउट गाइड ज्योति
वर्ष : 23 अंक : 05
नवम्बर, 2022

सलाहकार मण्डल

निरंजन आर्य
आई.ए.एस. (से.नि.)
स्टेट चीफ कमिश्नर

गौरव अग्रवाल, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (स्काउट)

निर्मल पंवार
स्टेट कमिश्नर (रोवर)

डॉ. भंवर लाल, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (कब)

महेन्द्र कुमार पारख, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

रूक्मणि आर.सिहाग, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (गाइड)

शुचि त्यागी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (रेंजर)

टीना डाबी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (बुलबुल)

मुग्धा सिन्हा, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

स्टेट कमिश्नर (हैडक्वाटर्स-स्काउट)
नवीन महाजन, आई.ए.एस.
नवीन जैन, आई.ए.एस.
डॉ. एस.आर. जैन
एस.के.सोलंकी, आई.ए.एस.(से.नि.)
डॉ. अखिल शुक्ला

स्टेट कमिश्नर (अहिंसा, शांति-समन्वय)
मनीष कुमार शर्मा

राज्य कोषाध्यक्ष
ललित कुमार मोरोडिया
राज.लेखा सेवा

सम्पादक

डॉ. पी.सी.जैन
राज्य सचिव

सहायक सम्पादक

नीरज जैन

इस अंक में

विषय	पृष्ठ संख्या
दिशाबोध	4
संपादकीय	4
विशेष : जम्बूरी स्थल का अवलोकन	5
विशेष : मुख्यमंत्री ने की जम्बूरी कार्यों की समीक्षा	6
विशेष : जम्बूरी कार्यों की प्रगति का अवलोकन	8
नेशनल लेवल योगा ट्रेनिंग कोर्स	9
स्काउट्स गाइड्स की चितेरी 'जम्बूरी'	10
स्काउटिंग और सामुदायिक विकास	12
हमारा स्वास्थ्य : सर्दियों में बोन हेल्थ (हड्डियों) का कैसे रखें ख्याल ?	14
विमंदित बालकों को योग प्रशिक्षण	16
जम्बूरी विशेष :जम्बूरी विभागवार कोर कमेटियाँ	17
गतिविधि दर्पण	18
बैज प्रणाली	22
विश्व पर्यावरण संरक्षण दिवस	23
हमारे महापुरूष : महान वैज्ञानिक : भारत रत्न सी.वी. रमन	24
गतिविधि पञ्चांग	26

लेखकों से निवेदन

स्काउट गाइड ज्योति का प्रकाशन मात्र प्रकाशन भर नहीं है बल्कि यह पत्रिका हमारे संगठन का दर्पण है, जो आयोजित हो चुकी गतिविधियों को प्रस्तुत करने, संगठन के कार्यों और इसके प्रशिक्षण तथा अन्य समाजोपयोगी क्रियाकलापों के विचारों को प्रकट करने का सशक्त माध्यम है।

समस्त पाठकों, सृजनात्मक एवं रचनाधर्मी प्रतिभाओं से स्वलिखित, मौलिक व पूर्व में अप्रकाशित स्काउटिंग गाइडिंग से संबंधित लेख, यात्रा वृत्तान्त, कैम्प क्राफ्ट संबंधी लेख, प्रशिक्षण विधि, पाठक प्रतिक्रिया आदि प्रकाशनार्थ आमंत्रित हैं। आपके अनुभव प्रत्येक स्काउट गाइड के लिए अमूल्य हैं। आप द्वारा प्रेषित सामग्री आपके नाम व फोटो के साथ प्रकाशित की जावेगी। लेख स्पष्ट टंकित हो तथा उस पर यह अवश्य लिखा हो कि 'यह लेख मौलिक एवं अप्रकाशित है'।

प्रकाशनार्थ सामग्री हमारी ईमेल आई.डी. **scoutguidejyoti@gmail.com** पर भिजवाई जा सकती हैं।

स्काउट गाइड ज्योति वार्षिक सदस्यता शुल्क	आजीवन सदस्यता शुल्क
व्यक्तिगत शुल्क :100/- संस्थागत शुल्क:150/-	1200/-

शुल्क राशि राज्य मुख्यालय जयपुर पर एम.ओ. अथवा 'राजस्थान स्टेट भारत स्काउट एण्ड गाइड, जयपुर' के नाम डिमान्ड ड्राफ्ट द्वारा जमा कराई जा सकती है।

नोट : स्काउट गाइड ज्योति में छपे/व्यक्त विचार प्रस्तोता के अपने हैं। यह जरूरी नहीं है कि संगठन इनसे सहमत ही हो।

दिशाबोध

भारत स्काउट-गाइड स्थापना दिवस

भारत स्काउट व गाइड संगठन के स्थापना दिवस के सुअवसर पर सभी का हार्दिक अभिनन्दन। सभी को ज्ञात ही है कि 07 नवम्बर 1950 भारत स्काउट गाइड संगठन का प्राकट्य दिन है। विगत वर्षों से हम इस दिन को झण्डा दिवस के रूप में मनाते है ताकि आमजन के बीच जाकर संगठन के लिये उनका भावनात्मक व क्रियात्मक आर्थिक सहयोग लेकर उनको भी इस संगठन की मुख्य धारा से जोड़ सकें। इस वर्ष झण्डा स्टीकर्स के प्रचार–प्रसार के साथ राजस्थान को गौरवान्वित करने वाली 4 से 10 जनवरी तक पाली में आयोज्य 18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी का भी प्रचार–प्रसार करें, जिससे समाज में स्काउट गाइड के प्रति जो मान सम्मान है उसमें अभिवृद्धि होगी और हम समाज में इस भव्य आयोजन का प्रचार–प्रसार कर सकेंगे।

स्काउटिंग–गाइडिंग बालक बालिकाओं, युवक–युवतियों को श्रेष्ठ नागरिक बनाने का सर्वमान्य एवं स्वीकृत प्रशिक्षण है। और, राष्ट्रीय जम्बूरी का आयोजन इस प्रशिक्षण का एक अहम हिस्सा है। 18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी जो राजस्थान के पाली जिले में आयोज्य है, में प्रशिक्षण के माध्यम से निश्चित ही स्काउट गाइड को प्रकृति के उन्मुक्त वातावरण में समाजोपयोगी बनने का सुअवसर मिलेगा, जिससे वे दूसरों के अधिकारों का सम्मान, अनुशासन, नेतृत्व, मर्यादा, साहस, आत्मविश्वास, स्वाभिमान एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण जैसे गुणों के धनी बनेंगे। यहाँ टोली विधि, मानसभा, आधारभूत सिद्धान्त, उद्देश्य, नियम, प्रतिज्ञा, नैतिक शिक्षा आदि से उनके मन में श्रेष्ठ विचार पैदा होंगे।

मुझे पूरा विश्वास है कि स्काउट गाइड संगठन व उसकी उपयोगिता के साथ उसके विस्तार के लिये 'स्थापना दिवस' एवं '18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी' के आयोजन को सम्यक एवं व्यवस्थित रूप में क्रियान्वित करेंगे। स्थापना दिवस की सफलता आपकी सफलता होगी। हमें इस शुभ अवसर पर हमारी नियम प्रतिज्ञाओं की शपथ पुनः दोहरानी है। स्काउट गाइड संगठन से सक्रियता पूर्वक जुड़ाव रखें और अधिकाधिक को संगठन से जोड़े।

स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाओं सहित ....

निरंजन आर्य
स्टेट चीफ कमिश्नर

संपादकीय

मुझे यह कहते हुए प्रसन्नता है कि अपना स्काउट गाइड संगठन पूरी जी–जान से 18वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी के भव्य और सफल आयोजन की तैयारियों में युद्ध स्तर पर कार्य कर रहा है। इसमें प्रसन्नता की विशेष बात यह है कि हमारे स्काउट गाइड, वयस्क लीडर्स और वैतनिक कार्यकर्ता न सिर्फ जम्बूरी की तैयारियों में जुटे हुए हैं, वरन वे अपनी नियमित गतिविधियों को भी बखूबी संचालित कर रहे हैं। गत माह टोली नायक, द्वितीय व तृतीय सोपान, राज्य पुरस्कार स्काउट, निपुण रोवर रेंजर प्रशिक्षण शिविर इत्यादि लगभग प्रत्येक जिले में आयोजित कर बालक–बालिकाओं को प्रशिक्षण दिया गया। प्रत्येक स्थानीय संघ, जिला मुख्यालय व मण्डल मुख्यालय के तत्वावधान में 2 अक्टूबर को गाँधी व शास्त्री जयन्ती पर विविध कार्यक्रम यथा प्रार्थना सभाएं, व्याख्यान, सेमीनार, प्रदर्शनी इत्यादि के शानदार आयोजन हुए हैं।

कहने का तात्पर्य यह है कि हमारा संगठन और इसके सदस्य जब बड़े लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रयत्नशील होते हैं तो ऐसा नहीं होता कि वे अपने अन्य कार्यों, लक्ष्यों व कर्तव्यों को त्याग देते हों। और यही गुण हमें राष्ट्रीय स्तर पर उच्च मुकाम पर कायम रखने में मददगार है। प्रदेश में पर्यावरणीय संरक्षण व संवर्द्धन कार्य भी वर्ष पर्यन्त चलते हैं। हम ही नहीं बल्कि अनेक अन्य संगठन भी इस दिशा में पूरे साल कार्यरत रहते हैं। और, परिणामस्वरूप हमारे राजस्थान को रेगिस्तान के रूप में जो पूर्व में पहचान थी, उसमें परिवर्तन आया है। अब नयी विचारधारा का आगमन हो चुका है।

आगामी कार्यक्रमों और लक्ष्यों की पूर्ति के लिए मेरी ओर से सभी को शुभकामनाएं....

डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव

विशेष

जम्बूरी स्थल का अवलोकन

जम्बूरी स्थल पर किये जा रहे कार्यों का जायजा लिया

भारत स्काउट व गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली के तत्वावधान में 18वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जंबूरी 04 से 10 जनवरी 2023 तक रोहट पाली में आयोजित होगी। जम्बूरी स्थल निम्बली ब्राह्मणान, रोहट में स्थित रीको भूमि पर विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों ने की समीक्षा एवं तैयारी का जायजा हेतु 05 अक्टूबर 2022 को जंबूरी स्थल पर राजस्थान प्रदेश भारत स्काउट व गाइड के स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य द्वारा कार्यों का जायजा लिया गया। श्री निरंजन आर्य ने जम्बूरी स्थल पर किये जा रहे कार्यों की विभागवार समीक्षा की। रीको के निर्देशन में किये जा रहे कार्यों के बारे में विस्तार से वरिष्ठ क्षेत्रीय प्रबंधक श्री आर.सी. वैष्णव द्वारा अवगत कराया गया, रीको द्वारा जम्बुरी स्थल 220 हेक्टेयर भूमि की सफाई, समतलीकरण, सड़क निर्माण, विधुतीकरण तथा 600 केएल सीडब्ल्यूआर के निर्माण की प्रगति की जानकारी दी। श्री आर्य द्वारा जम्बूरी स्थल पर विभिन्न स्थानों पर चल रहे कार्यों का मौके पर जाकर बारीकी से निरीक्षण किया गया तथा प्रत्येक विभाग को कार्यों का संपादन समय पर किये जाने हेतु आवश्यक निर्देश प्रदान किये।

सुलभ इंटरनेशनल द्वारा जम्बूरी स्थल पर लगभग 2 हजार शौचालय एवं स्नानघर निर्माण करने हेतु कार्य प्रारंभ करने की जानकारी दिनेश प्रसाद राम ने दी। इसके अलावा श्री आर्य ने विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यो की गहनता से समीक्षा की, सभी विभागों को कार्य में शिथिलता नही बरतने के निर्देश प्रदान किये। इस अवसर पर जम्बूरी कार्यो से संबंधित जिले के रीको से श्री आर.सी. वैष्णव, श्री सौरभ यादव, पीडब्ल्यूडी से श्री दिलीप परिहार, श्री सुशील गोयल, सुलभ इंटरनेशनल से श्री दिनेश प्रसाद राम, पंचायत समिति रोहट से विकास अधिकारी श्री हरमन, विद्युत विभाग पाली से श्री जेठाराम चौधरी, सार्वजनिक निर्माण विभाग विद्युत शाखा जोधपुर से श्री वीरेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, राज्य मुख्यालय, जयपुर से जम्बूरी संबंधी विभिन्न विभागों से समन्वय एवं मोनिटरिंग हेतु बाबू सिंह राजपुरोहित सहायक राज्य संगठन आयुक्त स्काउट जोधपुर मंडल एवं प्रभारी जंबूरी सेल पाली, विनोद दत्त जोशी, मानमहेंद्र सिंह भाटी, रामजस लिखाला, सीओ स्काउट सीकर बसंत कुमार लाटा, सीओ स्काउट चूरू महिपाल सिंह तंवर, सीओ स्काउट डूंगरपुर जितेंद्र भाटी उपस्थित मौजूद रहे।

स्टेट चीफ कमिश्नर निरंजन आर्य ने जंबूरी स्थल की व्यवस्थाओं को देखा

पाली। 18वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जंबूरी 4 से 10 जनवरी 2023 तक रोहट में होगी। रोहट के निंबली ब्राह्मणान में जंबूरी स्थल पर रीको भूमि पर विभिन्न विभागों द्वारा किए कार्यों की समीक्षा एवं तैयारी का जायजा के लिए बुधवार को जंबूरी स्थल पर प्रदेश भारत स्काउट गाइड के स्टेट चीफ कमिश्नर व मुख्यमंत्री सलाहकार निरंजन आर्य ने कार्यों का जायजा लिया।

आर्य ने जंबूरी स्थल पर किए जा रहे कार्यों की विभागवार समीक्षा की। इस दौरान रीको वरिष्ठ क्षेत्रीय प्रबंधक आरसी वैष्णव ने अब तक किए गए कार्यों की जानकारी दी। उन्हें बताया गया कि रीको द्वारा जंबूरी स्थल 220 हेक्टेयर भूमि की सफाई, समतलीकरण, सड़क निर्माण, विद्युतीकरण व 600 केएल सीडब्ल्यूआर का निर्माण कार्य किया जा रहा है। सुलभ इंटरनेशनल के दिनेशप्रसाद राम ने जंबूरी स्थल पर लगभग 2 हजार शौचालय एवं स्नानघर निर्माण करने के लिए कार्य प्रारंभ करने के बारे में बताया। इस मौके पर जंबूरी कार्यों से संबंधित जिले के रीको से आरसी वैष्णव, सौरभ यादव, पीडब्ल्यूडी से दिलीप परिहार, सुशील गोयल, बीडीओ हरमन, डिस्कॉम से जेठाराम चौधरी, पीडब्ल्यूडी विद्युत शाखा से वीरेंद्र सिंह, सहायक राज्य संगठन आयुक्त बाबूसिंह राजपुरोहित, विनोद दत्त जोशी, मानमहेंद्र सिंह भाटी, रामजस लिखाला, सीकर, चूरू, डूंगरपुर सीओ स्काउट बसंत कुमार लाटा, महिपालसिंह तंवर, जितेंद्र भाटी आदि मौजूद रहे।

पाली. जंबूरी स्थल पर कार्यों की समीक्षा करते स्टेट कमिश्नर निरंजन।

12 राजस्थान पत्रिका
पाली . गुरुवार, 06 अक्टूबर, 2022
patrika.com

जम्बुरी स्थल पर चल रहे कार्यों का लिया जायजा, दिए निर्देश

पत्रिका ग्राउंड रिपोर्ट

जम्बुरी आयोजन के कार्यो को प्राथमिकता से पूरा करें : आर्य

रोहट. 4 से 10 जनवरी तक भारत स्काउट व गाइड राष्ट्रीय मुख्यालय नई दिल्ली के तत्वावधान में होने वाली राष्ट्रीय स्काउट गाइड जंबुरी के आयोजन को लेकर बुधवार को स्टेट चीफ कमिश्नर एवं मुख्यमंत्री सलाहकार निरंजन आर्य ने जम्बुरी स्थल निम्बली ब्राह्मणान रोहट स्थित रीको भूमि पर विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा एवं तैयारियों का जायजा लिया। आर्य ने जम्बुरी स्थल पर किए जा रहे कार्यों की विभागवार समीक्षा की। रीको के वरिष्ठ क्षेत्रीय प्रबंधक आर सी वैष्णव ने उन्हें रीको के निर्देशन में हो रहे कार्यों के बारे में बताया। रीको द्वारा जम्बुरी स्थल 220 हेक्टेयर भूमि की सफाई, समतलीकरण, सड़क निर्माण, विद्युतीकरण तथा 600 केएल सीडब्ल्यूआर निर्माण की प्रगति की जानकारी दी। आर्य ने जम्बुरी स्थल का निरीक्षण कर प्रत्येक विभाग को कार्यों का संपादन समय पर करने के निर्देश दिए। सुलभ इंटरनेशनल द्वारा जम्बुरी स्थल पर लगभग 2 हजार शौचालय एवं स्नानघर निर्माण कार्य प्रारंभ करने की जानकारी दिनेश प्रसाद राम ने दी। जम्बुरी कार्यों से संबंधित जिले के रीको से आर सी वैष्णव, सौरभ यादव, सीओ स्काउट पाली के गोविन्द मीणा, पीडब्ल्यूडी से दिलीप परिहार, सुशील गोयल, सुलभ इंटरनेशनल से दिनेश प्रसाद राम, रोहट विकास अधिकारी हरमन विश्नोई, डिस्कॉम पाली से जेठाराम चौधरी, सार्वजनिक निर्माण विभाग विद्युत शाखा जोधपुर से वीरेंद्र सिंह मौजूद रहे। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड राज्य मुख्यालय जयपुर से जम्बुरी संबंधित विभिन्न विभागों से समन्वय एवं मॉनिटरिंग के लिए बाबू सिंह राजपुरोहित सहायक राज्य संगठन आयुक्त स्काउट जोधपुर मंडल एवं प्रभारी जंबुरी सेल पाली, विनोद दत्त जोशी, मान महेंद्र सिंह भाटी, रामजस लिखाला, सीओ स्काउट सीकर बसंत कुमार लाटा, सीओ स्काउट चूरू महिपाल सिंह तंवर, सीओ स्काउट डूंगरपुर जितेंद्र भाटी उपस्थित मौजूद रहे।

रोहट निम्बली ब्राह्मणान में चल रही जंबुरी कार्य का निरीक्षण कर विभागवार समीक्षा करने के लिए पहुंचे चीफ कमिश्नर निरंजन आर्य।

विशेष

मुख्यमंत्री ने की जम्बूरी कार्यों की समीक्षा

जम्बूरी के सफल आयोजन में नहीं रखेंगे कोई कमी -मुख्यमंत्री

13 अक्टूबर को मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने पाली के रोहट में 4 से 10 जनवरी, 2023 तक होने जा रहे राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी की व्यापक तैयारियों का जायजा लेते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर की यह जम्बूरी प्रदेश में स्काउट एवं गाइड का अब तक का सबसे बड़ा आयोजन होगा। उन्होंने कहा कि राज्य को 67 साल बाद इस जम्बूरी की मेजबानी का अवसर मिला है और सरकार इसके सफल आयोजन के लिए कोई कमी नहीं रखेगी।

श्री गहलोत गुरूवार 13 अक्टूबर को मुख्यमंत्री कार्यालय पर राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड द्वारा आयोजित होने वाली 18वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी की तैयारियों की समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे।

बढ़ेगा सौहार्द्र, सद्भावना व आपसी भाईचारा

श्री गहलोत ने कहा कि ऐसे आयोजनों से स्वास्थ्य, चरित्र, कला एवं कौशल, सेवा भावना तथा अनुशासन जैसे गुणों का विकास होता है, सामाजिक समरसता, सौहार्द्र, सद्भावना व आपसी भाईचारे की भावना का भी संचार होता है और हमने ग्रामीण ओलम्पिक खेलों का आयोजन भी इसी उद्देश्य के साथ करवाया था। उन्होंने कहा कि विभिन्न देशों व राज्यों की संस्तियों को समझने का यह एक सुनहरा अवसर है। इस जम्बूरी में भाग लेने वाले सम्भागी राजस्थान की मेहमान नवाजी की एक सुखद स्मृति लेकर लौटेंगे।

मुख्यमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त की कि सभी विभागों के अधिकारी पूर्ण निष्ठा एवं समन्वयता के साथ इस जम्बूरी की तैयारियों में जुटे हैं। उन्होंने ऐरिना, सड़कें, शामियाना, मंच एवं हैलीपेड की पुख्ता व्यवस्था के साथ–साथ पेयजल, शौचालय एवं स्नानघरों, बिजली, आवास, राशन की पर्याप्त व्यवस्था और राज्यों के दलों के लिए आवागमन की व्यवस्था करने हेतु आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

कार्यों की गुणवत्ता की हो रही नियमित मॉनिटरिंग

बैठक में बताया गया कि रीको, सार्वजनिक निर्माण एवं जलदाय विभाग के अधिकारियों द्वारा जम्बूरी स्थल पर चल रहे कार्यों को समयबद्ध पूर्ण कर उनकी गुणवत्ता की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड एवं बिजली विभाग द्वारा जम्बूरी के समय विद्युत की अबाधित आपूर्ति सुनिश्चित तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा 24 घण्टे आपातकालीन चिकित्सकीय सुविधाएं मुहैया करवाई जाएगी। जम्बूरी से पूर्व एवं जम्बूरी के दौरान विभिन्न माध्यमों द्वारा नियमित रूप से व्यापक प्रचार–प्रसार एवं जम्बूरी स्थल पर प्रदर्शनियां भी आयोजित होंगी। साथ ही, जम्बूरी स्थल पर प्रतिदिन राजस्थानी सांस्तिक कार्यक्रमों के आयोजन भी होंगे।

शिक्षा विभाग द्वारा सम्भागियों के पंजीकरण की प्रक्रिया भी जारी है। साथ ही, जम्बूरी स्थल पर अस्थाई पुलिस चौकी, यातायात व्यवस्था, नियमित पेट्रोलिंग एवं सीसीटीवी मॉनिटरिंग की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड की मेजबानी में होने वाली 18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी में 1500 विदेशी सहित पूरे देश से 35 हजार से अधिक स्काउट एवं गाइड हिस्सा लेंगे। पूर्व में मुख्यमंत्री ने जम्बूरी के आयोजन के लिए 24 करोड़ 70 लाख रूपए के वित्तीय प्रावधान को मंजूरी दी थी।

इस 7 दिवसीय जम्बूरी में स्टेट द्वार, पायनियरिंग प्रोजेक्ट, एडवेंचर वैली, ग्लोबल विलेज डवलपमेंट, इंटीग्रेशन गेम्स, मार्च पास्ट, कलर पार्टी, लोक नृत्य, शारीरिक प्रदर्शन, राज्य दिवस प्रदर्शनी, बैंड प्रदर्शन, रॉक क्लाइंबिंग, पैरासेलिंग एवं वाटर एक्टिविटीज जैसी कई प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा।

विश्वस्तरीय आयोजन से बढ़ेगी राज्य की ख्याति

शिक्षा मंत्री श्री बीडी कल्ला ने कहा कि जम्बूरी स्थल पर सभी आवश्यक सुविधाओं का विस्तार समयबद्ध रूप से पूर्ण हो जाएगा। उन्होंने कहा कि इस आयोजन के लिए एक स्मारिका भी प्रकाशित की जाएगी। राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड के प्रधान व पूर्व शिक्षा राज्यमंत्री श्री गोविन्द सिंह डोटासरा ने कहा कि मुख्यमंत्री के विजन के अनुरूप यह विश्व स्तरीय आयोजन हो रहा है। इससे राजस्थान की ख्याति देश ही नहीं विदेशों में भी बढ़ेगी।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड के स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य ने प्रस्तुतीकरण द्वारा जम्बूरी के लिए किए जा रहे विभिन्न कार्यों की प्रगति की विस्तृत जानकारी दी।

बैठक में मुख्य सचिव श्रीमती उषा शर्मा, पुलिस महानिदेशक श्री एमएल लाठर, अतिरिक्त मुख्य सचिव जलदाय विभाग श्री सुबोध अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव शिक्षा विभाग श्री पवन कुमार गोयल, अतिरिक्त मुख्य सचिव परिवहन श्री अभय कुमार, रीको अध्यक्ष श्री कुलदीप रांका, प्रमुख शासन सचिव वित्त श्री अखिल अरोरा, प्रमुख शासन सचिव सार्वजनिक निर्माण विभाग श्री नवीन महाजन, प्रमुख शासन सचिव यूडीएच श्री कुंजीलाल मीणा, प्रमुख शासन सचिव पर्यटन श्रीमती गायत्री राठौड़, सचिव पंचायती राज श्री नवीन जैन तथा सचिव स्वायत्त शासन डॉ. जोगाराम व सचिव चिकित्सा विभाग डॉ. पृथ्वीराज ने सम्बन्धित विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में अवगत कराया। सार्वजनिक निर्माण मंत्री श्री भजनलाल जाटव भी वीसी के माध्यम से बैठक से जुड़े।

स्काउट-गाइड जम्बूरी 4 जनवरी से

सफल आयोजन में नहीं रखेंगे कोई कमी : मुख्यमंत्री

जयपुर @ पत्रिका. मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पाली के रोहट में 4 से 10 जनवरी, 2023 तक होने जा रहे राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी की व्यापक तैयारियों का जायजा लेते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर की यह जम्बूरी प्रदेश में स्काउट एवं गाइड का अब तक का सबसे बड़ा आयोजन होगा। उन्होंने कहा कि राज्य को 67 साल बाद इस जम्बूरी की मेजबानी का अवसर मिला है और सरकार इसके सफल आयोजन के लिए कोई कमी नहीं रखेगी। गहलोत गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड द्वारा आयोजित होने वाली 18वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी की तैयारियों की समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। गहलोत ने कहा कि विभिन्न देशों व राज्यों की संस्कृतियों को समझने का यह एक सुनहरा अवसर है। उन्होंने ऐरिना, सड़कें, शामियाना, मंच एवं हैलीपेड की पुख्ता व्यवस्था के साथ-साथ पेयजल, शौचालय एवं स्नानघरों, बिजली, आवास, राशन की पर्याप्त व्यवस्था और राज्यों के दलों के लिए आवागमन की व्यवस्था करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए।

सीएम गहलोत ने स्काउट एवं गाइड जम्बूरी के कार्यों की समीक्षा

जम्बूरी के सफल आयोजन में नहीं रखेंगे कोई

राजस्थान को 67 वर्ष बाद मिला मेजबानी का अवसर

पाली जिले के रोहट में होगा आयोजन, हिस्सा लेंगे 35 हजार स्काउट

जम्बूरी के सफल आयोजन में नहीं रखेंगे कोई कमीः मुख्यमंत्री

राष्ट्र सम्मत

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पाली के रोहट में 4 से 10 जनवरी, 2023 तक होने जा रहे राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी की व्यापक तैयारियों का जायजा लेते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर की यह जम्बूरी प्रदेश में स्काउट एवं गाइड का अब तक का सबसे बड़ा आयोजन होगा।

उन्होंने कहा कि राज्य को 67 साल बाद इस स्काउट/गाइड जम्बूरी की मेजबानी का अवसर मिला है और सरकार इसके सफल आयोजन के लिए कोई कमी नहीं रखेगी।

गहलोत गुरूवार को मुख्यमंत्री कार्यालय पर राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड द्वारा आयोजित होने वाली 18वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी की तैयारियों की समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। बढ़ेगा सौहार्द, सद्भावना व आपसी भाईचारा

गहलोत ने कहा किसे आयोजनों से स्वास्थ्य, चरित्र, कला एवं कौशल, सेवा भावना तथा अनुशासन जैसे गुणों का विकास होता है, सामाजिक समरसता, सौहार्द, सद्भावना व आपसी भाईचारे की भावना का भी संचार होता है और हमने ग्रामीण ओलम्पिक खेलों का आयोजन भी इसी उद्देश्य के साथ करवाया था। उन्होंने कहा कि विभिन्न देशों व राज्यों की संस्कृतियों को समझने का यह एक सुनहरा अवसर है। इस जम्बूरी में भाग लेने वाले सम्भागी राजस्थान की मेहमान नवाजी की एक सुखद स्मृति लेकर लौटेंगे।

स्काउट एवं गाइड जम्बूरी के कार्यों की समीक्षा

जम्बूरी के सफल आयोजन में नहीं रखेंगे कोई कमी : मुख्यमंत्री

- राजस्थान को 67 वर्ष बाद मिला मेजबानी का अवसर
- राजस्थान में राष्ट्रीय स्काउट एवं गाइड जम्बूरी 4 जनवरी 2023 से
- पाली जिले के रोहट में होगा आयोजन, हिस्सा लेंगे 35 हजार स्काउट एवं गाइड

जयपुर (कार्यालय संवाददाता)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पाली के रोहट में 4 से 10 जनवरी, 2023 तक होने जा रहे राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी की व्यापक तैयारियों का जायजा लेते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर की यह जम्बूरी प्रदेश में स्काउट एवं गाइड का अब तक का सबसे बड़ा आयोजन होगा। उन्होंने कहा कि राज्य को 67 साल बाद इस जम्बूरी की मेजबानी का अवसर मिला है और सरकार इसके सफल आयोजन के लिए कोई कमी नहीं रखेगी। गहलोत गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय पर राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड द्वारा आयोजित होने वाली ...

... इसी उद्देश्य के साथ करवाया था। विभिन्न देशों व राज्यों की संस्कृतियों को समझने का यह एक सुनहरा अवसर है। इस जम्बूरी में भाग लेने वाले सम्भागी राजस्थान की मेहमान नवाजी की एक सुखद स्मृति लेकर लौटेंगे। उन्होंने ऐरिना, सड़कें, शामियाना, मंच एवं हैलीपेड की पुख्ता व्यवस्था के साथ-साथ पेयजल, शौचालय एवं स्नानघरों, बिजली, आवास, राशन की पर्याप्त व्यवस्था और राज्यों के दलों के लिए आवागमन की व्यवस्था करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कार्यों की गुणवत्ता की हो रही नियमित मॉनिटरिंग: बैठक में ...

... जम्बूरी से पूर्व एवं जम्बूरी के दौरान विभिन्न माध्यमों द्वारा नियमित रूप से व्यापक प्रचार-प्रसार एवं जम्बूरी स्थल पर प्रदर्शनियां भी आयोजित होंगी। साथ ही, जम्बूरी स्थल पर प्रतिदिन राजस्थानी सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन भी होंगे। शिक्षा विभाग द्वारा सम्भागियों के पंजीकरण की प्रक्रिया भी जारी है। साथ ही, जम्बूरी स्थल पर अस्थाई पुलिस चौकी, यातायात व्यवस्था, नियमित पेट्रोलिंग एवं सीसीटीवी मॉनिटरिंग की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी। उल्लेखनीय है कि राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड की मेजबानी में होने वाली 18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी में 1500 विदेशी सहित पूरे देश से 35 हजार ...

विश्वस्तरीय आयोजन से बढ़ेगी राज्य की ख्यातः शिक्षा मंत्री श्री बीडी कल्ला ने कहा कि जम्बूरी स्थल पर सभी आवश्यक सुविधाओं का विस्तार समयबद्ध रूप से पूर्ण हो जाएगा। उन्होंने कहा कि इस आयोजन के लिए एक स्मारिका भी प्रकाशित की जाएगी।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड के प्रधान व पूर्व शिक्षा राज्यमंत्री श्री गोविन्द सिंह डोटासरा ने कहा कि मुख्यमंत्री के विजन के अनुरूप यह विश्व स्तरीय आयोजन हो रहा है। इससे राजस्थान की ख्याति देश ही नहीं विदेशों में भी बढ़ेगी।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड के स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य ने प्रस्तुतीकरण द्वारा जम्बूरी के लिए किए जा रहे विभिन्न कार्यों की प्रगति की विस्तृत जानकारी दी।

बैठक में मुख्य सचिव श्रीमती उषा शर्मा, पुलिस महानिदेशक श्री एमएल लाठर, अतिरिक्त मुख्य सचिव जलदाय विभाग श्री सुबोध अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव शिक्षा विभाग श्री पवन कुमार गोयल, अतिरिक्त मुख्य सचिव परिवहन श्री अभय कुमार, रीको ...

विशेष

जम्बूरी कार्यों की प्रगति का अवलोकन

जंबूरी स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे निर्माण कार्यों का 16 अक्टूबर को अवलोकन कर श्रीमान महेंद्र पारख (आई.ए.एस.) आयुक्त उद्योग वाणिज्य, सी.एस.आर. उद्योग भवन, जयपुर एवं पदेन स्टेट कमिश्नर (हैडक्वार्टर्स–स्काउट) ने जम्बूरी स्थल पर समीक्षा बैठक लेकर समस्त कार्यों को निश्चित समय सीमा में पूर्ण करने हेतु निर्देश प्रदान किए।

श्री पारख ने कहा कि राष्ट्रीय जंबूरी के लिए राजस्थान मेजबानी कर रहा है, यह हमारे लिए गौरव की बात है। जंबूरी स्थल पर सभी भौतिक व्यवस्था सुव्यवस्थित हो, यह सभी विभागों का कर्तव्य व दायित्व है। उन्होंने जंबूरी स्थल पर अस्थाई शौचालय एवं स्नानघर को सुव्यवस्थित स्थापित करने हेतु आवश्यक निर्देश प्रदान किए। इस अवसर पर श्री बृजेश राय, आयुक्त नगर परिषद पाली, श्री पूरण सिंह शेखावत, कार्यवाहक राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट), श्री विनोद जोशी, श्री बाबू सिंह राजपुरोहित, श्री मानमहेंद्र सिंह भाटी, श्री दिलीप माथुर, श्री रामजस लिखाला सहायक राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) एवं अन्य कार्यकारी एजेंसी के प्रतिनिधि भी मौजूद थे। सभी ने अपने अपने विभागों के कार्यों की प्रगति रिपोर्ट से अवगत कराया।

नेशनल लेवल योगा ट्रेनिंग कोर्स

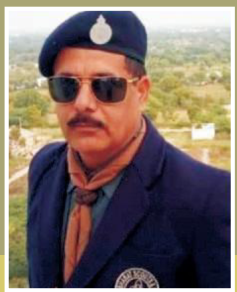

राकेश टॉक
शारीरिक शिक्षक एवं
सहायक लीडर ट्रेनर (स्काउट)
राज.उ.माध्य.विद्यालय कुंचौली,
कुंभलगढ़, (राजसमंद)

भारत स्काउट व गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित नेशनल लेवल योगा ट्रेनिंग कोर्स शांतिकुँज, हरिद्वार (उत्तराखंड) में 17 से 21 सितंबर 2022 तक आयोजित हुआ।

राजस्थान प्रदेश से 4 यूनिट लीडर ने प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त किया। राजसमंद से राकेश टॉक, भरतपुर से पुरुषोत्तम गुर्जर, सीकर से हनुमान प्रसाद व झुंझुनू से सुवालाल ने सहभागिता की।

शिविर का संचालन महेंद्र शर्मा आर.ओ.सी. नॉर्थन रीजन ने किया। शिविर के दौरान महेश मुछाल उत्तरप्रदेश, सुमन बाला सिंह दिल्ली, वन्दना तिवारी उत्तरप्रदेश, डीओसी शांतिकुँज मंगल सिंह, डीटीसी शांतिकुँज नरेंद्र सिंह, विवेक कुमार, सुर्य नाथ यादव, दीपांशु पांडे ने शिविर में पूर्ण सहयोग प्रदान कर सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

मुझे पांच दिवसीय शिविर में योग की बहुत सारी जानकारियां प्राप्त करने का अवसर प्राप्त हुआ, जिसमें आसन करने के तौर–तरीके, सूक्ष्म व्यायाम, योग, प्राणायाम, ध्यान का अभ्यास किया गया। साथ ही देव संस्कृति विश्वविद्यालय हरिद्वार में जाकर जलनेति, रबड़ नेति, सूर्य नमस्कार करने के तरीके जानकर व इनका अभ्यास करके मन को शांति प्राप्त हुई। शिविर के दौरान ही शांतिकुँज व हरिद्वार का भ्रमण भी करवाया गया। राजस्थान प्रदेश के साथियों ने रात्रि

शिविर ज्वाल कार्यक्रम में राजस्थान की लोक संस्कृति को ''कालियो कूद पड़ियो मेला में'' गीत पर नृत्य प्रस्तुत कर उल्लास का समा बांध दिया।

शिविर के दौरान यहां हमें नेशनल एडवाइजर एवं उत्तराखंड स्काउट गाइड के राज्य सचिव रविंद्र मोहन काला तथा देव संस्कृति विश्वविद्यालय हरिद्वार की प्रतिकूल कुलाधिपति चिन्मय पंड्या जी का आशीर्वाद व प्रेरक उद्बोधन सुनने को मिला।

योग नगरी शांतिकुँज, हरिद्वार से योग का प्रशिक्षण प्राप्त कर योगमयी होकर मैं पुनः राजसमंद लौटा। इस प्रशिक्षण से अर्जित ज्ञान को मैं स्वयं, परिवार व विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए तथा स्थानीय संघ, जिला और राज्य में होने वाले शिविरों में आने वाले स्काउट, गाइड व वयस्क लीडर को सिखाने में अपनी महत्ती भूमिका अदा करने का पूरा पूरा प्रयास करुंगा।

राज्य मुख्यालय जयपुर के पदाधिकारियों ने मुझे इस राष्ट्रीय स्तर के शिविर में सहभागिता करने हेतु स्वीकृति प्रदान की उसके लिए मैं सबका आभारी हूँ।

स्काउट्स गाइड्स की चितेरी 'जम्बूरी'

गिरधारी लाल शर्मा
रोवर लीडर, जयपुर

विद्यालयों/महाविद्यालयों/विश्वविद्यालयों में संचालित विभिन्न सह–शैक्षिक प्रवृतियों यथा एन.सी.सी/गेम्स एण्ड स्पोर्ट्स/एन.एस.एस एवं स्काउंटिंग/गाइडिंग का मुख्य उद्देश्य राष्ट्र की भावी पीढ़ी को प्रशिक्षित कर राष्ट्र के संवेदनशील एवं जिम्मेदार नागरिक के रूप में विकसित करना है।

इन्ही भावी आशाओं में से राष्ट्र के लिए प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस अधिकारी, सैन्य अधिकारी, वैज्ञानिक, अभियन्ता, कोरपोरेट, कार्यपालक, अधिवक्ता, शिक्षक, चिकित्सक, राजनयिक, न्यायविद उद्यमी, राजनेता एवं समाजसेवी के रूप में उभरेंगे तथा अपनी योग्यतानुसार राष्ट्र के विकास में अपना योगदान करेंगे।

स्काउटिंग/गाइडिंग बालक/बालिकाओं का चहुँमुखी – शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक, भावनात्मक एवं आध्यात्मिक विकास करने वाला एक सशक्त, प्रभावी, आकर्षक एवं जीवनोपयोगी माध्यम है।

इस कार्यक्रम में बालक–बालिकाओं की वय को ध्यान में रखकर उनके मनोविज्ञान को समझकर तैयार किये गये हैं। मुख्य रूप से ये कार्यक्रम प्रति के गोद में खुले वातावरण में आयोजित किये जाते हैं।

इन कार्यक्रमों में राष्ट्रीय जम्बूरी का विशेष स्थान है। जम्बूरी में भाग लेने की सभी स्काउट्स/गाइड्स एवं व्यस्क नायकों में प्रबल इच्छा होती है।

यह सात दिवसीय कार्यक्रम स्काउटिंग/गाइडिंग का महाकुम्भ कहलाता है, जो प्रति चार वर्ष के अंतराल से देश के विभिन्न राज्यों की मेजबानी में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित की जाती है। समय–समय पर स्पेशल मिनी जम्बूरियाँ भी आयोजित की जाती रही है।

अब तक 17 राष्ट्रीय जम्बूरियां आयोजित हो चुकी है। 17वीं राष्ट्रीय जम्बूरी कर्नाटक राज्य के मैसूर में दिनांक 29 दिसम्बर 2016 से 4 जनवरी 2017 तक आयोजित की गई।

18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी 4 जनवरी से 10 जनवरी 2023 तक राजस्थान के पाली जिले के रोहट–पाली मारवाड़ स्थान पर आयोज्य है।

राज्य के मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत, जो स्वयं भी अपने बाल्यकाल में स्काउट रहे, स्काउट/गाइड आंदोलन के लिए की गई अतिविशिष्ट सेवाओं के लिए भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, नई दिल्ली का सर्वोच्च अलंकरण 'सिल्वर एलिफेंट से सम्मानित हैं व राष्ट्रीय संगठन के नवम्बर 2013 से नवम्बर 2016 तक अध्यक्ष रहे है, ने इस आयोजन हेतु 25 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया है।

राज्य को मेजबानी करने का अवसर दूसरी बार 67 वर्ष के बाद मिला है। ज्ञातव्य है कि द्वितीय राष्ट्रीय जम्बूरी 26 दिसम्बर 1956 से 1 जनवरी 1957 तक जयपुर में हुई, उसमें 8300 स्काउट्स एवं 2000 गाइड्स ने भाग लिए था। सिलोन के एक ग्रुप ने भी उसने सहभागिता की थी। मिस्टर जी आर. पेडोलिना, ब्वाय स्काउट इन्टरनेशनल ब्यूरो एवं मिस जोअन स्टीवेंसन–ऑस्ट्रेलियन एक्सचेंज ट्रेनर विशेष रूप से सम्मिलित हुये थे।

सरदार गुरुमुख निहाल सिंह जी – राज्यपाल राजस्थान ने 27.12.1956 को भव्य समारोह में राष्ट्रीय जम्बूरी का उद्घाटन किया था। 28.12.1956 को राज्य

के मुख्यमंत्री मोहन लाल सुखाडिया ने स्काउट प्रदर्शनी का उद्घाटन किया था। नगर भ्रमण के दौरान जयपुरवासियों ने अपना प्यार लुटाते हुए पुष्प वर्षा के संभागियों का स्वागत किया था। अपने समय के प्रमुख शिक्षाविद डॉ. मोहन सिंह मेहता, उदयपुर में भूतपूर्व उपकुलपति राजस्थान विश्वविद्यालय, सम्मानित आजीवन सदस्य, राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के आजीवन सम्मानित सदस्य ने स्काउट्स/गाइड्स एवं पेट्रोल लीडर्स कान्फ्रेंस का शुभारम्भ किया तथा डॉ. के. एन. काटजू, पूर्व रक्षामंत्री ने समापन समारोह की अध्यक्षता की थी। राष्ट्रीय आयुक्त डॉ. ह्रदयनाथ कुंजरू के कुशल मार्गदर्शन में जम्बूरी सम्पन्न हुई थी।

18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी की मेजबानी के सुअवसर से सभी राजस्थानी उत्साहित हैं।

रास्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड परिवार के सभी सदस्य अपने मुख्यायुक्त श्री निरंजन आर्य आई.ए.एस. (से.नि.) पूर्व मुख्य सचिव, राजस्थान सरकार के मार्गदर्शन में आवश्यक तैयारियों में युद्ध स्तर पर कार्य कर रहे हैं।

18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी की थीम है, शान्ति के साथ प्रगति। इस में दो शब्द महत्वपूर्ण है – प्रगति एवं शान्ति। हम सभी प्रगति एवं शान्ति के आकांक्षी है एवं इसे प्राप्त करने हेतु सदैव प्रयत्नशील हैं। स्काउट/गाइड आन्दोलन के प्रमुख तत्व है, भाईचारा, विश्व बन्धुत्व, अन्तर्राष्ट्रीय सद्भावना, सभी धर्म के प्रति समभाव को आत्मसात कर हम सम्पूर्ण विश्व में शान्ति की कामना का रखते हैं। मैसेंजर ऑफ पीस सिगनेचर प्रोग्राम है।

लेखक को भारत स्काउट्स व गाइड्स द्वारा आयोजित खुर्दा रोड, उडिसा–1998, नील धारा–हरिद्वार (उत्तरांचल)–2005 एवं शंकरापल्ली–हैदराबाद–आन्ध्र प्रदेश–2011 राष्ट्रीय जम्बूरियों में सहभागिता एवं सेवा करने का अवसर मिला। जम्बूरियों में बिताये उन दिनों की मधुर स्मृतियों आज भी मानस पटल पर ताजा है।

जम्बूरी नगर– एक लघु भारत का रूप होता है, जहाँ विभिन्न राज्यों की कला–संसति, खान–पान, रीति–रिवाज, लोकगीत–लोकनृत्य, लोक जीवन वेशभूषा को नजदीक से देखने का सम्भागियों को अवसर मिलता है। यह देशाटन का संक्षिप्त एवं महत्वपूर्ण अवसर होता है। कैम्प क्राफ्ट्स, पायनियरिंग प्रोजेक्ट्स, एडवेंचर

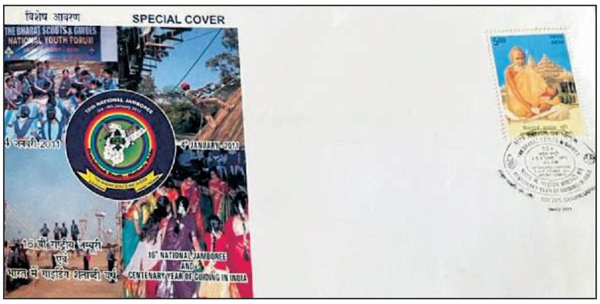

बेसेज, जम्बूरी गीत की सुमधुर स्वर लहरियाँ, डाक विभाग हारा स्पेशल कवर का विमोचन, विशाल शिविर ज्वाल कार्यक्रम में प्रस्तुत रंगारंग कार्यक्रम, ग्लोबल विलेज प्रोजेक्ट, फूड प्लाज़ा, हेम रेडियो पर संदेशो का आदान–प्रदान, नगर भ्रमण एवं दर्शनीय स्थलों का भ्रमण के कार्यक्रमों में सहभागिता, विशिष्ट अतिथियों का प्रेरणादायक उद्बोधन एवं उन्हें साक्षात् देखने का सुअवसर जीवन में कभी–कभी ही मिलता है। जम्बूरी में सभी सम्भागियों की दिनचर्या बहुत ही अनुशासित होती है।

खुर्दा रोड़ नेशनल जम्बूरी 1998 जो तीसरी सार्क जम्बूरी भी थी, से ही राज्यों के लिए प्रथम बार प्रतियोगिताएं प्रारम्भ हुई, नेशनल कमिश्नर फ्लैग, चीफ कमिश्नर (स्काउट) एवं चीक कमिश्नर (गाइड) शील्ड्स व पुरस्कार प्रारम्भ किये गये।

राजस्थान राज्य भारत स्काउटस एवं गाइड्स लगातार नेशनल कमिश्नर फ्लैग जीतता आ रहा है। मुझे पहली बार राष्ट्रीय जम्बूरी में इण्डियन स्काउट/गाइड फेलोशिप की ओर से भाग लेने व फेलोशिप द्वारा संचालित ए–टू–जेड सर्विस केन्द्र पर सेवाएं देने, फेलोशिप एवं स्काउटिंग पुरोधाओं– नरेन्द्र चढ्ढा, एस.के. अग्रवाल, एस.सी. बिदानी, डॉ. एस. कुमार, एल.एम. जैन साहव, जी. रंगाराव से मुलाकात का अवसर मिला। नेपाल, बांगलादेश, श्रीलंका, मलेशिया एवं मस्कट से आये व्यस्क नायकों से बात–चीत करने का भी अवसर मिला। राजस्थान राज्य भारत स्काउटस एवं गाइड्स के स्टेट कमिश्नर (स्काउट) स्व. बी.डी. जोशी, आई.ए.एस. ने सपत्नीक जम्बूरी में सहभागिता की थी, जिनका टैंट हमारे पास ही था, जिनसे प्रतिदिन बात–चीत होती थी, जोशी साहब ए–टू–जेड सेन्टर पर कई बार पधारे व ए–टू–जेड सर्विस केन्द्र की उपयोगिता एवं सेवाओं की मुक्तकण्ठ से प्रशंसा की।

नीलधारा–हरिद्वार राष्ट्रीय जम्बूरी–2005 का महामहिम राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने शुभारम्भ किया था, सभी स्काउट्स/गाइड्स ने जम्बूरी राउण्ड के दौरान हर्ष–हर्ष–जय–जय की घोष से अभिनंदन किया था। जम्बूरी को राज्यपाल सुदर्शन अग्रवाल, रामेश्वर ठाकुर, मुख्यमंत्री नारायण दत्त तिवारी ने उद्बोधित किया था। फेलोशिप की ओर से योगेश्वर नारायण शर्मा, किशोर पारीक, ओम प्रकाश लामी एवं मुझे सहभागिता का अवसर मिला था, फेलोशिप ने 4 पुरस्कार प्रदान किये थे। पहली बार खो–खो व खेलकूद का आयोजन किया, पुरस्कार बांटे।

नेशनल कन्वेशन को रामेश्वर ठाकुर, एल.एम. जैन, बी. राजरमन, योगेश्वर नारायण शर्मा, उत्तरांचल राज्य लोक सेवा आयोग की सदस्या सुधा पांडे व गिरधारी लाल शर्मा ने सम्बोधित किया था।

ऐसे आयोजन में सहभागिता से व्यक्तित्व का परिष्करण होता है व बहुत कुछ सीखने का अवसर मिलता है। अपने ही राज्य में आयोज्य 18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी में सहभागिता की तमन्ना दिल में हिलोरे ले रही है। हम सब मिलकर इस राष्ट्रीय जम्बूरी के आयोजन को ऐतिहासिक बनायेंगे।

स्काउटिंग और सामुदायिक विकास

राकेश टॉक
शारीरिक शिक्षक एवं
सहायक लीडर ट्रेनर (स्काउट)
राज.उ.माध्य.विद्यालय कुंचौली,
कुंभलगढ़, (राजसमंद)

"तुम यह नहीं सोचो कि
देश तुम्हें क्या देता है,
पर यह सोचो कि
तुम देश को क्या देते हो"

–अब्राहम लिंकन

अब्राहम लिंकन की यह महत्वपूर्ण उक्ति युवाओं को समाज–सेवा के लिए प्रेरित करती है। आज जब विश्व का हर कोना व्यक्ति के चारित्रिक विकास, सामाजिक उत्थान एवं प्रगति के लिए युवाओं के लिए भिन्न–भिन्न प्रकार के कार्यक्रमों एवं गतिविधियों को प्रयोगात्मक रूप में उपयोग करने का प्रयास कर रहा है। दिन–प्रतिदिन चारीत्रिक–पतन और सामाजिक अर्थव्यवस्था के कारण युवाओं और बच्चों में नकारात्मक सोच का ग्राफ काफी ऊपर आ गया है। ऐसी परिस्थितियों में लार्ड बेडन पॉवेल का 1907 में स्थापित स्काउट आन्दोलन ही युवाओं की नकारात्मक सोच को सकारात्मक रूप दे सकता है। चरित्र निर्माण में मुख्य भूमिका निभाकर एक सशक्त समाज और देश को अच्छा नागरिक दे सकता है।

जहाँ मात्र स्वार्थ की भावना कूट–कूट कर हम सभी में आ रही है। वहीं स्काउट/गाइड निःस्वार्थ भावना से विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा समाज सेवा, समाज उत्थान, समाज में जन जागृति लाने, जन–चेतना लाने तथा समाज कल्याण के लिए समाज में जाकर जन सामान्य के बीच कन्धे से कन्धा मिलाकर कार्य करके जन सामान्य को समाज हित में निःस्वार्थ भाव से कार्य करने के लिए प्रेरित करते हैं।

स्काउटिंग के मुख्य चार स्तम्भ (उद्देश्य), चरित्र निर्माण, स्वास्थ्य, हस्तकला (कौशल) और सेवा है। हम विश्व व्यापी और लोकप्रिय आन्दोलन के द्वारा युवाओं में शिक्षा–प्रसार के साथ–साथ उनका सर्वांगीण विकास होता है। स्काउटिंग के माध्यम से देश के युवाओं के एक सुढ़, सबल, सक्षम एवं सुनागरिक बनाने का कार्य वृहद स्तर पर इस आन्दोलन के कर्म योद्धाओं द्वारा हो रहा है।

भारतीय स्काउटिंग के प्रणेता पं. श्रीराम वाजपेयी के साथ पं. मदन मोहन मालवीय, डॉ. हृदय नाथ कुंजरू व डॉ. एनी बेसेन्ट का महत्वपूर्ण योगदान भारत में स्काउटिंग/गाइडिंग की नींव रखने में रहा है। इनके योगदान को भारत स्काउट व गाइड के सदस्य भुला नहीं सकते। पं. श्रीराम वाजपेयी जी ने सेवा समिति स्काउट दलों का गठन कर बालकों में सेवा भाव को और जागृत करने का कार्य किया। धीरे–धीरे स्काउटिंग शिक्षा सामुदायिक विकास की अनेक योजनाओं में सम्मिलित होकर समाज उत्थान में पूर्णतया समर्पित भाव से सहयोग दे रही है। स्काउट/गाइड द्वारा अपने अर्जित ज्ञान और कौशल का उपयोग 'टोली–विधि' (PETROL SYSTEM) से किसी कार्यक्रम के दौरान किया जाता है। कार्यक्रम की सफलता का राज भी 'टोली विधि' ही है।

सामाजिक कार्यक्रम जैसे मेलों में सेवा व्यवस्था, अनुशासन व्यवस्था, जल–सेवा, खोया–पाया विभाग, प्रसाद वितरण सेवा, पार्किंग व्यवस्था, प्राथमिक सहायता केन्द्र बनाना, भीड़ नियन्त्रण, आपदा–प्रबन्धन केन्द्र की स्थापना, सामान रखने की व्यवस्था, वृद्धजन सेवा जैसे अनेक प्रकार की भूमिका में अपना अहम योगदान देकर स्काउट/गाइड द्वारा निःस्वार्थ सामाजिक सेवा भाव का उदाहरण जन मानस के सामने रखते हैं। वर्तमान के इस

दौर में जब पूरा विश्व कोरोना महामारी से दो–दो हाथ कर रहा था व इस महामारी से निजात पाने के लिए पूरा विश्व एक जुट होकर कार्य कर रहा था, उस भयंकर दौर में भी स्काउट/गाइड ने निःस्वार्थ भाव से सेवा का बिगुल बजाया था। ये स्काउट/गाइड अपने–अपने यूनिट लीडर के निर्देशन व मार्गदर्शन में कोरोना महामारी के समय भी सामाजिक दूरी बनाने, मास्क बनाकर वितरण करने, भोजन बनाकर उनके पैकेट वितरीत करने, सेनिटाइजर, ग्लब्स वितरण करने, गली, मौहल्ले व सार्वजनिक स्थलों को सेनिटाइज करने तथा पुलिस व स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय बनाते हुए दिन–रात समाज के मध्य रहकर सेवा का कार्य कर अपनी ''निःस्वार्थ भाव से सेवा करने की'' छाप समाज के सामने छोड़ी।

स्काउटिंग के माध्यम से समाज में अनेक जागरूकता रैलियाँ जैसे– विश्व जनसंख्या दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस, विश्व जैव विविधता दिवस, विश्व गौरेया दिवस, विश्व जल दिवस, विश्व प्रवासी पक्षी–दिवस, विश्व एड्स दिवस, तम्बाकू एवं धूम्रपान निषेध, पल्स पोलियो, साक्षरता, स्वच्छता, फिट इंडिया–हिट इंडिया, जल संरक्षण, मतदाता जागरूकता, विश्व महिला दिवस, कोरोना जागरूकता रैली, बालिका शिक्षा, सड़क सुरक्षा, वृद्धजन सेवा अभियान के तहत जनचेतना रैलियां, मानव श्रृंखला, साइकिल रैली वार्ता, नुक्कड़ नाटक, कार्यशालाओं का आयोजन करके समाज को विभिन्न समस्याओं से परिचित कराते हैं व इस अवसर पर इनसे बचने के उपायों के बारे में जनसाधारण को जानकारी नारा लेखन तख्तियों से, पेम्पलेट बांटकर, इलेक्ट्रोनिक्स मीडिया के माध्यम से बताने का पूरा–पूरा प्रयास करते हैं। समाज में व्याप्त कुरीतियाँ जैसे दहेज प्रथा, नारी–शोषण, बाल–विवाह, नशीली वस्तुओं का सेवन, मृत्यु भोज के विरूद्ध आवाज उठाकर सामाजिक चेतना लाने का प्रयास करते हैं।

स्काउटिंग आन्दोलन में इनकी विभिन्न ईकाइयों के बालक/बालिकाओं के लिए जिन्हें कब, बुलबुल, स्काउट, गाइड, रोवर, रेंजर के नामों से जाने जाते है। उनके आयुवर्ग के अनुसार सामाजिक कार्य एवं सेवा कार्य के लिए स्काउट आन्दोलन में अनेक प्रकार के दक्षता बैजो को पाठयक्रम में सम्मिलित किया हुआ है। स्काउट इन दक्षता बैजों पर कार्य कर उन्हें हासिल करके समाज को सामुदायिक विकास के लिए प्रेरित कर स्काउटिंग समाज में सफलता की द्योतक है। स्काउट साहसी होता है साथ ही साथ सार्वजनिक सम्पति की रक्षा करने में सहायता करता है। आपदा प्रबन्धन जैसे विषयों पर सेमिनार व वार्ताओं का आयोजन कर उन्हें आकस्मिक परिस्थितियों में काम करने के लिए तैयार किया जाता है। विभिन्न प्रकार की आपदाओं जैसे–बाढ़, भूकम्प, सुखा, आगजनी, ओलावृष्टि, तूफान, महामारी जैसी विषम परिस्थितियों में स्काउट गाइड अपनी निःस्वार्थ सेवा देकर समाज के सक्षम मानक कल्याण का अनुठा उदाहरण वर्षो से देते आ रहे हैं। समाज स्काउट/गाइड के अच्छे कार्यों का दपर्ण है। उनका जीता जागता प्रमाण अभी कोरोना काल में जन सामान्य को देखने को मिला।

विद्यालय स्तर पर बाल्यकाल से ही बालक/बालिकाओं को अनुशासित बनाने के यूनिट लीडर प्रयासरत है। विद्यालय स्तर के कार्यक्रमों में, बैठक व्यवस्था, जल सेवा, मंच संचालन विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं के माध्यम से, रैलियाँ, मानव श्रृंखला, नाटक, गीत, संगीत, कविता, वृक्षारोपण, स्वच्छ पेयजल, सड़क सुरक्षा, नशा मुक्ति अभियान में सहायता देकर दूसरों को भलाई के कार्यों के लिए प्रेरित करते हैं। इसलिए स्काउटिंग के द्वारा सदस्यों में आरम्भ से ही निःस्वार्थ भावना से कार्य करने के लिए प्रेरित करते हैं और भलाई के कार्यों को हम अनिवार्य समझते हैं व अपनी पोशाक पर जो स्कार्फ धारण करते हैं उसमें भी भलाई की गांठ लगाते हैं, जो उन्हें हमेशा निःस्वार्थ भाव से भलाई करने की याद हमेशा दिलाती रहती है।

हमारे प्रदेश में शिक्षा विभाग के आदेशानुसार प्रत्येक शिक्षण संस्थान चाहे वो निजी हो या सरकारी, में स्काउटिंग प्रवृति का संचालन अनिवार्य है, के निर्देश हैं। बालकों में शिक्षा के साथ ही साथ सह–शैक्षिक गतिविधियों में खेलों के साथ ही स्काउटिंग प्रवृत्ति पर भी विशेष जोर दिया गया है। इससे बालकों के नैतिक मूल्यों में विकास और सामाजिक उत्तरदायित्व का ज्ञान बढ़ाने में सहायक होते हैं व आन्दोलन के माध्यम से देश को सुनागरिक प्रदान करने का प्रयास किया आता है।

मेरा मानना है कि स्वस्थ समाज का निर्माण सबल, सुयोग्य और स्वस्थ साथियों द्वारा ही संभव है। ऐसे साथियों की कल्पना स्काउट/गाइड की गतिविधियों से ही संभव है। समाज के उत्थान और प्रगति में स्काउट/गाइड के लिए अनेक कार्यक्रम जैसे प्रधानमंत्री शील्ड प्रतियोगिता, लक्ष्मी मजुमदार अवार्ड प्रतियोगिता स्काउट गाइड के लिए और उपराष्ट्रपति शील्ड प्रतियोगिता रोवर/रेंजर के लिए है।

इन प्रतियोगिताओं को पूर्ण वरीयता देकर अनिवार्य बनाया गया है। ताकि हर स्काउट/गाइड अपनी क्षमता, योग्यता के आधार पर समाज के उत्थान और प्रगति में सहयोग देकर उदाहरणीय और अनुकरणीय हो सकें। मेरे पूर्व विद्यालय रा.उ.मा.वि. घोड़च, नाथद्वारा, जिला– राजसमन्द में रहते हुए जिले में पहली बार प्रधानमंत्री शील्ड प्रतियोगिता में विजेता रहने का गौरव प्राप्त हुआ है। प्रधानमंत्री शील्ड व प्रधानमंत्री जी के हस्ताक्षर युक्त प्रमाण–पत्र प्राप्त करने का सौभाग्य मुझे मिला।

आइए! हम सभी स्काउट गाइड का हाथ मजबूत करके स्वच्छ और स्वस्थ समाज का निर्माण करें व हम स्वयं भी स्काउटिंग के माध्यम से समाज में सामुदायिक विकास के कार्यों में अग्रणी रहते हुए अपनी अहम भूमिका अदा करें।

– जय भारत, जय राजस्थान, जय स्काउटिंग।

हमारा स्वास्थ्य

सर्दियों में बोन हेल्थ (हड्डियों) का कैसे रखें ख्याल?

स्काउट गाइड ज्योति डेस्क

हम सभी शरीर के ऊपरी हिस्से जैसे त्वचा और बालों की उचित देखभाल करते हैं, लेकिन क्या आपने कभी अपनी हड्डियों की देखभाल पर ध्यान दिया है? अनेक लोगों से बात करने और उनसे जानने की कोशिश करने पर कि क्या उन्हें सर्दियों के सीजन में बोन हेल्थ (Bone health) से जुड़ी परेशानी भी होती है, तो अधिकांश का कहना होता है कि 'जैसे ही ठंड शुरू होती है, उन्हें हड्डियों में दर्द के साथ–साथ जोड़ों में दर्द की भी तकलीफ शुरू हो जाती है।' वहीं कई लोगों का का रीएक्शन तो पीड़ादायक ही मिलता है, कहते हैं कि 'मैं अपने हेल्थ का ध्यान तो अच्छी तरह से रखता हूं, लेकिन ठंड की दस्तक मुझे परेशानी में डाल देती है। मुझे अक्सर मेरी बॉडी अकड़ी हुई सी महसूस होती है, जिससे मुझे तकलीफ होती है।' कई लोग तो सर्दियों के सीजन में बोन हेल्थ में परेशानी होने से तकलीफ में रहते हैं। वैसे ऐसा नहीं है कि बोन हेल्थ बिगड़ने से सिर्फ वही परेशान हों, बल्कि ऐसे कई लोग हैं, जिनकी शिकायत यही रहती है कि सर्दियों के मौसम में हड्डियों और जोड़ों का दर्द उन्हें अत्यधिक सताता है। इस लेख में खासतौर से बोन हेल्थ (Bone health) यानी हड्डियों को कैसे सर्दियों के मौसम में स्वस्थ्य रखा जाए?और साथ ही जानेंगे इससे जुड़े कई अन्य महत्वपूर्ण बातें।

क्यों होती है सर्दियों में हड्डियों से जुड़ी परेशानी?

ठंड के मौसम में शरीर को सामान्य दिनों की तुलना में ऑक्सिजन की मात्रा कम मिलती है, जिससे रेस्पिरेटरी डिजीज का खतरा बढ़ सकता है। ऐसा नहीं है कि यह परेशानी सिर्फ यहीं तक सिमित हो, बल्कि हड्डियों से संबंधित तकलीफें भी बढ़ जाती है। दरअसल ऑक्सिजन लेवल की कमी नर्वस सिस्टम पर नेगेटिव प्रभाव डालती है, जिसका असर हड्डियों पर पड़ता है। ऐसी स्थिति में हड्डियों में दर्द या जोड़ों में दर्द परेशानी बढ़ जाती है।

सर्दियों के सीजन में बोन हेल्थ (Bone health) यानी हड्डियों का कैसे रखें ख्याल?

बोन हेल्थ को हेल्दी बनाये रखने के लिए निम्नलिखित उपाय किए जा सकते हैं। इन उपायों में शामिल हैः

1. सुबह की धूप है जरूरी (Morning Sunlight)–

कहते हैं दिन की शुरुआत अगर अच्छी ही, तो पूरा दिन अच्छा जाता है और आप अच्छा महसूस भी करते हैं। और अगर सर्दियों के सीजन में बोन हेल्थ को स्ट्रॉन्ग बनाना हो, तो सुबह की धूप है सबसे ज्यादा जरूरी। दरअसल जब त्वचा सूर्य की किरणों के संपर्क में आती है, तो बॉडी को विटामिन डी मिलता है। वहीं सर्दियों के मौसम में ठंड और मौसम में आई नमी स्किन के साथ–साथ बोन पर भी नेगेटिव प्रभाव डालते है। ठंड ज्यादा होने की वजह से घर से बाहर निकलना भी पसंद नहीं करते हैं, जो हड्डियों के लिए नुकसानदायक होता है। इसलिए ठंड के मौसम में रोजाना सुबह की धूप में कुछ देर वक्त जरूर बिताएं और बोन प्रॉब्लम को दूर रखें।

2. मालिश से बनायें हड्डियों को मजबूत (Body Massage)–

उम्र बढ़ने के साथ–साथ हड्डियां ठंड से ज्यादा प्रभावित होने लगती हैं। इसलिए सर्दियों के मौसम में हल्के गर्म तेल से बॉडी मसाज जरूर करें या करवाएं। मसाज से हड्डियों को गर्माहट मिलती है, जिससे सिकुड़ी हुई नसों को ठीक किया जाता है। यही नहीं मालिश से बॉडी रिलैक्स होती है और मांसपेशियां भी मजबूत होती हैं।

3. मॉर्निंग वॉक है हेल्दी बोन का सीक्रेट (Morning walk)–

मॉर्निंग वॉक खुद को फिट रखने के लिए हर मौसम में किया जा सकता है। वहीं सर्दियों में सुबह की सैर ज्यादा लाभकारी मानी जाती है। इससे बॉडी को गर्माहट मिलती है और आप ठंड में भी फिजिकली एक्टिव रहते हैं। मॉर्निंग वॉक से मेंटल हेल्थ को भी फिट रखने में सहायता मिलती है। रेग्यूलर वॉकिंग से वजन भी संतुलित रहता है। कभी–कभी वजन ज्यादा होने की वजह से भी हड्डियों में दर्द की समस्या हो सकती है।

4. गुनगुने पानी से स्नान करें (Lukewarm water bath)–

सर्दियों के मौसम में हड्डियों या जोड़ों की परेशानी को दूर करने के लिए गुनगुने पानी से स्नान करें। अगर आप स्नान नहीं करने की इच्छा होने पर आप गुनगुने पानी से पैर धोएं।

5. सर्दियों में ऑक्सिजन लेवल हो सकता है डाउन (Oxygen level)–

ठंड के मौसम में रक्त धमनियां (Blood arteries) सिकुड़ जाती हैं और जब ऐसी स्थिति होती है, तो ब्लड सर्क्युलेशन बॉडी में बेहतर तरीके से नहीं होता है। जैसा की हमसभी जानते हैं कि जब शरीर में खून, पानी या ऑक्सिजन की बैलेंस मात्रा नहीं पहुंचने से शारीरिक परेशानी शुरू हो सकती है। इसलिए यह हमेशा ध्यान रखें कि अगर शरीर में ऑक्सिजन लेवल की कमी आती है, तो नर्वस सिस्टम पर इसका नेगेटिव प्रभाव पड़ता है, जिसका असर हड्डियों पर पड़ता है और दर्द होने की भी संभावना हो सकती है। इसलिए ब्रीदिंग तकनीक पर ध्यान दें और हड्डियों या जोड़ों की तकलीफ से बचें।

6. हेल्दी बोन के लिए विटामिन्स है जरूरी (Vitamins)–

अगर आपको हड्डी या जोड़ों की समस्या (Joints pain) रहती है, तो उन्हें विटामिन–डी, विटामिन–के और विटामिन–सी का सेवन अवश्य करना चाहिए। ध्यान रखें अगर शरीर में विटामिन–डी की कमी होती है, तो ऑस्टियोपोरोसिस (Osteoporosis) का खतरा बना रहता है। वहीं अगर ये समस्या लंबे वक्त तक बनी रहे तो हड्डियों से जुड़ी तकलीफ बढ़ सकती है। विटामिन–डी, विटामिन–के और विटामिन–सी हड्डियों में कैल्शियम को एब्सॉर्ब करने में मददगार होते हैं और कार्टिलेज के निर्माण में भी सहायक होते हैं। इसलिए हड्डियों को स्ट्रॉन्ग बनाने के लिए मछली, अंडे का योल्क, दूध, पनीर, ब्रोकली, पालक, गोभी, संतरे, नींबू, स्ट्रॉबेरी और कीवी का सेवन करें।

7. कैफीन के सेवन से बचें (Caffeine)–

कैफीन युक्त पेय पदार्थों का सेवन कम से कम करें। दरअसल कैफीन कैल्शियम को एब्सॉर्ब करने का कार्य करता है, जिससे शरीर में कैल्शियम की कमी हो सकती है। चाय या कॉफी जैसे पेय पदार्थों के अलावा फिजी ड्रिंक्स से भी दूरी बनायें।

8. हड्डियों की मजबूती के लिए कैल्शियम है जरूरी (Calcium)–

बोन हेल्थ की बात करें और कैल्शियम इसमें शामिल ना करें, तो ऐसा कैसे हो सकता है। दरअसल मजबूत हड्डियों का राज छिपा होता है कैल्शियम में। इसलिए अपने डायट दूध, दही, ब्रोकली, पनीर, फलियां, ड्राय फ्रूट्स, सी–फूड और हरी पत्तेदार सब्जियां का सेवन अवश्य करें। इनके सेवन से हड्डियों को सट्रॉन्ग बनाने के साथ–साथ जॉइंट्स प्रॉब्लम भी दूर हो सकती है।

जोड़ों या हड्डियों से संबंधित परेशानियों से बचने के लिए इन निम्नलिखित बातों का भी रखें ध्यान। जैसेः

अगर आप कंप्यूटर पर काम करते हैं या लगातार बैठकर काम करते हैं, तो इससे भी जोड़ों में दर्द (Joints pain) की तकलीफ हो सकती है। इसलिए लगातार ना बैठें और बीच–बीच में गैप लें और वॉक करें। बैठने के दौरान गर्दन और कंधे को झुकाकर ना बैठें और अपने पॉश्चर पर ध्यान दें।

एक रिसर्च के मुताबिक तंबाकू का सेवन हड्डियों को कमजोर बना सकता है। तंबाकू की वजह से ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा बढ़ सकता है।

एल्कोहॉल के सेवन से बचें। एल्कोहॉल के कारण भी हड्डियां कमजोर हो सकती हैं, और आपकी तकलीफ बढ़ सकती है।

बोन हेल्थ की तकलीफ ना हो गंभीर, इसलिए डॉक्टर से कब करें कंसल्ट ?

- दर्द बढ़ने पर या ज्यादा वक्त तक दर्द होने पर।
- बिना किसी चोट के भी हड्डियों या जोड़ों में दर्द होना।
- जॉइंट पेन से बैक पेन की तकलीफ शुरू होना।
- दर्द की वजह से बुखार आना।
- सामान्य से ज्यादा वजन कम होना।
- जोड़ों में दर्द या सूजन आना।

इन परेशानियों के अलावा अगर कोई और तकलीफ महसूस होती है, तो जल्द से जल्द डॉक्टर से संपर्क करें।

विमंदित बालकों को योग प्रशिक्षण

योगिता उद्यमिता एवं विकास संस्थान द्वारा संचालित साईं मानसिक विमन्दित आवसीय विद्यालय एवं पुनर्वास गृह राड़ी के बालाजी परिसर झालावाड़ के तत्वावधान में स्काउट गाइड के पधारे लगभग 60 अध्यापक योग गुरु सहित विशेष बच्चों द्वारा बेंड बाजे की धुन के साथ माला व तिलक लगाकर भव्य स्वागत किया गया। राजस्थान राज्य के भरतपुर मंडल मुख्यालय से पधारे योग गुरु श्री मुकुट बिहारी गुप्ता द्वारा विशेष बच्चों को अनुलोम विलोम प्रणायम स्वयं मॉडल बनाकर बताया गया और योग गुरु ने कहा योग करने से हमारा स्वास्थ्य सही रहता है, इससे दिमाग व स्मरण शक्ति बढ़ती है व योग द्वारा ही आँखों की दृष्टि ठीक कर चश्मा हटाने की विधि बताई।

स्काउट गाइड के अध्यापकों द्वारा राम नाम धुनी, गोविन्द जय जय गोपाल जय जय की धुन प्रस्तुत की, जिसमें सभी बालकों ने भोर विभोर होकर नृत्य किया। बालक पुनर्वास गृह के प्रोजेक्ट सुपरवाइजर पूर्ण राम जी ने भी भाव विभोर होकर विशेष बच्चों के साथ नृत्य किया, जिसमें सभी विराजमान सदस्यों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। विशेष अध्यापक भूपेश बैरवा ने विशेष विद्यालय में हो रही गतिविधियों, प्रशिक्षण केंद्र व विशेष बालकों के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम का संचालन श्री कृष्णमोहन देवड़ा ने किया। कार्यक्रम में विशेष विद्यालय की व स्काउट गाइड की पूरी टीम का भरपूर सहयोग रहा। इस विशेष कार्यक्रम में उपस्थित योग गुरु श्री मुकुट बिहारी गुप्ता, श्री यादराम गुर्जर, श्री लोकेन्द्र शर्मा, श्री हंसराज शर्मा व विशेष विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री रामावतार जांगिड़ व सभी विशेष अध्यापकगण मौजूद रहे। स्काउट गाइड के अध्यापक श्री संजय जैन ने खुश होकर सभी बच्चों को मिठाईयां व फल वितरित किये।

CELEBRATIONS DAYS : NOVEMBER-DECEMBER, 2022

07 November	:	Scout/Guide Flag Day
14 November	:	National Children Day
26 November	:	World Environment Protection Day
26 November	:	National Constitution Day
02 December	:	National Pollution Control Day
10 December	:	World Human Rights Day
14 December	:	National Energy Conservation Day
16 December	:	Victory Day
20 December	:	International Human Solidarity Day

Plan an activity with your unit on these days and send your success stories & photos to "scoutguidejyoti@gmail.com"

जम्बूरी विशेष

जम्बूरी विभागवार कोर कमेटियाँ

गतांक से आगे....

18वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी के सफल आयोजन हेतु माननीय राज्य मुख्य आयुक्त द्वारा निम्न समितियों का और गठन किया गया है-

समिति नं. 30

हॉटल एवं सी.एस.आर. फण्ड व्यवस्था समिति

1.	श्री कुंजीलाल मीणा	प्रमुख शासन सचिव,	अध्यक्ष
		नगरीय विकास एवं आवासन विभाग जयपुर	सदस्य
2.	श्री पवन अरोड़ा	आयुक्त, राजस्थान आवासन मण्डल जयपुर	सदस्य
3	श्री हिमांशु गुप्ता	जिला कलक्टर जोधपुर	सदस्य
4.	श्री महेन्द्र कुमार पारख	स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स स्काउट)	सदस्य
5.	श्री नमित मेहता	जिला कलक्टर पाली	सदस्य
6.	श्री अरविन्द कुमार पोसवाल	जिला कलक्टर चित्तोडगढ	सदस्य
7.	डॉ. अशंदीप रल्ह	जिला कलक्टर अजमेर	सदस्य
8.	श्री ताराचन्द मीना	जिला कलक्टर उदयपुर	सदस्य
9.	श्री लोकबन्धु	जिला कलक्टर बाडमेर	सदस्य
10.	श्री पूरण सिंह शेखावत	राज्य संगठन आयुक्त(स्काउट) कार्यवाहक, जयपुर	सदस्य
11.	श्री विनोद दत्त जोशी	सहायक राज्य संगठन आयुक्त(स्काउट)अजमेर	सदस्य सचिव

समिति नं. 31

जम्बूरी पत्रिका नाम निर्धारण समिति-

1.	श्री जी.एस. बापना	पूर्व राज्य प्रधान, जयपुर	अध्यक्ष
2.	डॉ. पी.सी. जैन	राज्य सचिव, राज्य मु. जयपुर	सदस्य
3.	श्री पूरण सिंह शेखावत	राज्य संगठन अयुक्त (स्का.) कार्यवाहक	सदस्य
4.	श्री एल.आर. शर्मा	सर्कल ऑर्गेनाइजर (स्काउट) जयपुर	सदस्य
5.	श्री नीरज जैन	सहायक संपादक, राज्य मु. जयपुर	सदस्य सचिव

समिति नं. 32

आमंत्रण अतिथि सूची एवं पत्र ड्राफ्ट व्यवस्था समिति-

1.	श्री पवन अरोड़ा	आयुक्त, राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर	अध्यक्ष
2.	श्री महेन्द्र पारख	स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स-स्काउट)	सदस्य
3.	श्री टीकम चन्द बोहरा	जम्बूरी नोडल अधिकारी, जयपुर	सदस्य
4.	श्री पूरण सिंह शेखावत	राज्य संगठन अयुक्त (स्का.) कार्यवाहक	सदस्य
5.	श्री नीरज जैन	सहायक संपादक, राज्य मु. जयपुर	सदस्य सचिव
6.	श्री एल.आर. शर्मा	सर्कल ऑर्गेनाइजर (स्काउट) जयपुर	सदस्य
7.	सुश्री गगनदीप कौर	सर्कल ऑर्गेनाइजर (गाइड) जयपुर	सदस्य
8.	श्रीमती ऋतु शर्मा	सर्कल ऑर्गेनाइजर (स्काउट) जयपुर	सदस्य

गतिविधि दर्पण

प्रदेश में विभिन्न स्तरों पर आयोजित गतिविधियों, शिविर इत्यादि की संक्षिप्त रिपोर्ट

अजमेर मण्डल

कब, बुलबुल ने निकाली बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जागरूकता रैली

◈ ग्राम पंचायत गिरधरपुरा (बदनौर) भीलवाड़ा में स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय झालरी बाण में दिनांक 08 अक्टूबर को भारत स्काउट एवं गाइड के तहत संचालित कब पैक और बुलबुल फ्लॉक के कब और बुलबुल बालक बालिकाओं द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। कब मास्टर कूका काठात और फ्लॉक लीडर रेखा कंवर के सान्निध्य में कब और बुलबुल ने

जागरूकता रैली निकाल कर बेटियों को आगे बढ़ाने का संदेश दिया। रैली को प्रधानाध्यापक और कब मास्टर कूका काठात ने रवाना किया, जो गांव से घूमकर वापस स्कूल आकर खत्म हुई। सभी विद्यार्थी हाथों में बैनर और तख्तियां लेकर चल रहे थे। 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ', 'स्काउट गाइड का कहना है बेटी देश का गहना है', 'एक बेटी पढ़ेगी सात पीढ़ी तरेगी' आदि नारे लगाते हुए बेटियों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने का आह्वान कर जागरूकता पैदा करने में अपनी अहम भूमिका निभाई। वर्तमान में यह आसींद और बदनोर ब्लॉक का एकमात्र विद्यालय है जहां पर दोनों पैक और फ्लॉक एक साथ संचालित किए जा रहे हैं।

बाल विवाह रोको अभियान के तहत जन-जागरूकता रैली

◈ राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के बाल विवाह रोको अभियान के अंतर्गत सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर सेशन न्यायाधीश) राजपाल सिंह के निर्देशानुसार 18 अक्टूबर को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सुभाष नगर, भीलवाड़ा के स्काउट इको क्लब द्वारा बाल विवाह निषेध जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली को भीलवाड़ा करुणा केंद्र जिलाध्यक्ष शकुंतला

खमेसरा, भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, भीलवाड़ा के सचिव प्रेम शंकर जोशी ने विद्यालय प्रांगण से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में लगभग 200 स्काउट–गाइड स्कूली छात्र–छात्राएं हाथों में बाल विवाह विरोधी पोस्टर, पंपलेट, बैनर लेकर जोरदार नारे लगाते हुए सुभाष नगर के विभिन्न मार्गों से गुजरे तथा आमजन को बाल विवाह के विरुद्ध जागरूक किया। इस अवसर पर पारी प्रभारी ममता चौधरी, गाइड कैप्टीन संगीता व्यास, फ्लॉक लीडर मंजू शर्मा उपस्थित थे।

जयपुर मण्डल

स्थानीय संघ रामनिवास बाग का वार्षिक अधिवेशन

◈ भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, रामनिवास बाग जयपुर के 67वें परिषद के वार्षिक अधिवेशन का आयोजन स्थानीय संघ रामनिवास बाग जयपुर में किया गया। अधिवेशन में राजेंद्र हंस जिला शिक्षा अधिकारी जयपुर, गिरिराज पारीक जिला साक्षरता अधिकारी एवं प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर, कौशलेंद्र मीणा प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर गाइड, प्रधान श्री मदन गोपाल गोयल, सचिव श्री जगदीश नारायण शर्मा, कोषाध्यक्ष मोहम्मद इरशाद खान सहित स्थानीय संघ के अन्य गणमान्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। अधिवेशन में स्थानीय संघ के वर्षभर के गतिविधियां की समीक्षा की गई तथा नवीन

रणनीतियां तय की गई। इस अवसर पर स्थानीय परिषद के चुनाव संपन्न हुए, जिसमें प्रधान सहित कुल 19 पदाधिकारियों का निर्विरोध निर्वाचन हुआ। सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को शॉल व माला पहनाकर सम्मानित किया गया।

स्थानीय संघ रामनिवास बाग जयपुर में स्काउट हट निर्माण हेतु श्री अशोक कुमार चम ने 150000/– (एक लाख पचास हजार) रुपए का चैक प्रदान कर आर्थिक सहयोग दिया।

आई कैंप में स्काउट्स ने दी सेवाएं

◈ त्रिवेणी भवन, फतेहपुर (सीकर) में श्री लक्ष्मीनाथ लायंस क्लब द्वारा आयोजित नेत्र जाँच एवं लैंस प्रत्यारोपण शिविर में राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड स्थानीय संघ की सेवाभावी टीम द्वारा शानदार ढंग से सेवा की गई। रोगी पंजीकरण कार्य, रोगियों को पंक्ति बद्ध करते हुए मधुमेह व रक्तचाप जांच काउंटर पर ले जाना, चाय पानी पिलाना, भोजन करवाना तथा अन्य जानकारी प्रदान करते हुए शानदार सेवा कर पुण्य अर्जित किया गया। सेवा कार्य में

उपप्रधान इकबाल हुसैन, एम.ए. तंवर, अभिनंदन जैन, कोषाध्यक्ष करण सिंह जाखड, ईश्वर सिंह नेहरा, रेंजर अतुल्या, रा.उ.मा.वि. हिरणा एवं रा.नेवटिया रा.उ.मा.वि. फतेहपुर के स्काउट्स द्वारा सेवाएं प्रदान की गई।

स्काउट गाइड रोवर रेंजर प्रशिक्षण शिविर

◈ भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ दांता (सीकर) के तत्वावधान में आयोजित ट्रेनिंग सेंटर बनाथला में 28 सितंबर से 2 अक्टूबर 2022 आयोजित टोली नायक द्वितीय तृतीय सोपान राज्य पुरुस्कार स्काउट, निपुण रोवर रेंजर प्रशिक्षण शिविर में ध्वजारोहण प्रधानाचार्य बनाथला सुरेश कुमार शर्मा ने किया और स्काउटिंग गाइडिंग का महत्व बताया। शिविर संचालक रामलाल चौधरी ने बताया की शिविर में पायनियरिंग, ध्वजों की जानकारी, दिशा ज्ञान तथा प्राथमिक सहायता का प्रशिक्षण दिया गया। इस मौके पर स्काउट मास्टर पी.डी. कुमावत, हेमराज कुमावत, हनुमान प्रसाद सिंघल, श्रवण कुमावत, छीतर मल वर्मा, जगदीश कुमावत, प्रहलाद राय शर्मा, फूल मोहम्मद, मांगी लाल मीणा, चंद्रा राम

जाट, भवानी शंकर कुमावत, ओमप्रकाश शर्मा, हीरालाल पंवार, राजेंद्र परनामी, विनोद नरवर, ओम काला, अजय डमोलिया, संजय रोहिल, मनोज कुमावत, अंकित कुमावत, पीताम्बर लोरा, गाइड कैप्टन रुक्मणी कसाना, पूजा महावर आदि उपस्थित रहे। शिविर के दौरान बाबूलाल जांगिड़ स्काउटर निवासी करड़ प्रधानाध्यापक रा.बालिका उ.मा.वि. खाटूश्याम जी एवं लक्ष्मीनारायण जी आलोरिया निवासी करड़ वरिष्ठ अध्यापक रा.उ.मा. विद्यालय रुलाना ने प्रशिक्षण केंद्र बनाथला पर टेंट लगाने वास्ते दो चबूतरे बनवाने की घोषणा की। जिसकी लागत राशि 22000/– रु. प्रति चबूतरा, कुल 44000/– स्थानीय संघ दांता को भेंट किए। जगदीश प्रसाद कुमावत स्काउटर रा.उ.मा.विद्यालय पचार ने प्रशिक्षण केंद्र बनाथला पर रसोई घर हेतु टीन शेड लगाने हेतु 25000/– की राशि स्थानीय संघ को भेंट की। समस्त कार्यकारिणी की ओर से बहुत बहुत धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया गया।

शिविर में विधायक माननीय वीरेंद्र सिंह जी ने पधारकर स्काउट्स से मुलाकात की और उनका मनोबल बढ़ाकर उत्साहवर्धन किया और उनके 6 लाख की लागत से बनाया गया सभा भवन का बाहरी अवलोकन किया और ट्रेनिंग सेंटर के बीच में से जा रही बिजली लाइन के संभावित खतरे को देखते हुए उसे हटाने का उन्होंने आश्वासन दिया। स्काउट्स ने उनके आगमन पर गार्ड ऑफ ऑनर दिया।

३०० से अधिक जगह सर्व धर्म प्रार्थना सभा

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला सीकर के अंतर्गत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के शुभ अवसर पर विभिन्न स्थानों पर सर्वधर्म प्रार्थना सभाओं का आयोजन किया गया। स्काउट गाइड प्रशिक्षण केंद्र बनाथला में स्थानीय संघ दांता के तत्वावधान में आयोजित सर्वधर्म प्रार्थना सभा में रामलाल चौधरी सचिव स्थानीय संघ दांता के नेतृत्व में सहायक लीडर ट्रेनर पी.डी. कुमावत, स्काउट प्रभारी हेमराज कुमावत, हनुमान प्रसाद सिंघल, श्रवण कुमावत, छीतर मल वर्मा, जगदीश कुमावत, प्रहलाद राय शर्मा, फूल मोहम्मद, मांगी लाल मीणा, चंद्रा राम जाट, भवानी शंकर कुमावत, ओमप्रकाश शर्मा, हीरालाल पंवार, राजेंद्र परनामी, विनोद नरवर, ओम काला, अजय

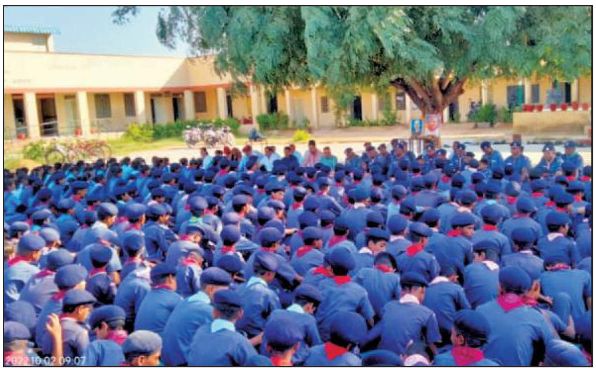

डमोलिया, संजय रोहिल, मनोज कुमावत, अंकित कुमावत, पीताम्बर लोरा, गाइड कैप्टन रुक्मणी कसाना, पूजा महावर सहित 600 से अधिक स्काउट गाइड सदस्यों ने भाग लिया। इस अवसर पर स्काउट गाइड सदस्यों ने श्रमदान भी किया।

जिला स्तरीय गांधी जयंती एवं शास्त्री जयंती कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय जिला कलेक्टर अमित यादव रहे। अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक कुमार राष्ट्रदीप, विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त जिला कलेक्टर रतन लाल मीणा, सीईओ यूआईटी सचिव उप जिला प्रमुख ताराचंद धायल, महात्मा गांधी चिंतन समिति के शिव भगवान नागा, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी रामचंद्र सिंह पिलानिया, राकेश कुमार लाटा, महावीर पुरोहित, स्काउट गाइड के पुरुषोत्तम सोनी, किशन लाल सियाग, महेंद्र कुमार पारीक, निर्मला माथुर, उर्मिला, महेश नेहरा, अजरुद्दीन, पूरणमल गुर्जर, स्काउट गाइड रोवर एवं रेंजर उपस्थित रहे।

इसके साथ जिले के विभिन्न स्थानीय संघ द्वारा एवं स्काउट गाइड रोवर रेंजर, कब बुलबुल द्वारा जगह जगह सर्वधर्म सद्भाव के लिए सर्व धर्म प्रार्थना सभाओं का आयोजन किया गया। स्थानीय संघ रींगस के तत्वावधान में बावड़ी के बालाजी स्थान पर प्रार्थना सभा का आयोजन विष्णु जोशी सचिव स्थानीय संघ के नेतृत्व में 300 से अधिक स्काउट गाइड सदस्यों द्वारा किया गया।

जोधपुर मण्डल

रेंजर्स ने मनाया विश्व आघात दिवस

◈ राजकीय कन्या महाविद्यालय, मगरा–पूंजला, जोधपुर में 17 अक्टूबर, 2022 को रेंजर विभाग द्वारा वर्ल्ड ट्रॉमा डे (विश्व आघात दिवस) के अवसर पर राजस्थान राज्य महिला नीति के वार्षिक कैलेंडर के अनुसार आकस्मिक दुर्घटनाओं में जीवन रक्षा संबंधी जागरूकता देने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। रेंजर प्रभारी डॉ अंशुल दाधीच ने बताया कि रेंजर रुपाली देवड़ा, साधना परमार, लिच्छु, नीतू चौधरी, मनीषा चंदावत द्वारा एकांकी के माध्यम से छात्राओं को सीपीआर (कार्डिक पलमोनरी रिसेसिटेशन) प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने बताया कि हार्ट अटैक, कार्डियक अरेस्ट, डूबना, सांस घुटना, करंट लगना, चोट लगना जैसी स्थितियों में बेहोश व्यक्ति को सीपीआर की आवश्यकता होती है। इसके माध्यम से मस्तिष्क, हृदय तथा अन्य अंगों में रक्त प्रवाह सामान्य रहता है तथा श्वास प्रक्रिया सुचारू होती है।

नेशनल हेल्थ पोर्टल पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार प्रतिवर्ष विश्व भर में लगभग 5 लाख लोग आघात के कारण मृत्यु को प्राप्त हो जाते हैं, ऐसे वक्त में यदि तात्कालिक देखभाल मिल जाए तो व्यक्ति के जीवित रहने की संभावना दोगुनी हो सकती है। एनएसएस अधिकारी डॉ. ऋचा गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि दुर्घटना के कारण उत्पन्न आघात से व्यक्ति को उबारा जा सकता है। आघात के कारण हुई मौतों में सर्वाधिक मौत सड़क दुर्घटना में होती है। सतर्कता से यातायात नियमों का पालन स्वयं के साथ दूसरों के जीवन की रक्षा भी करता है। इस हेतु सीपीआर प्रशिक्षण अति आवश्यक है। प्रशिक्षित व्यक्ति संयत रहता है, जिससे वह प्राथमिक उपचार देने में अधिक सक्षम होता है।

कोटा मण्डल

सर्वधर्म प्रार्थना सभा

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला कोटा एवं जिला प्रशासन व नगर निगम कोटा के संयुक्त तत्वावधान में 2 अक्टूबर को गांधी उद्यान में जिला कलेक्टर ओपी बुनकर के सान्निध्य में सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला प्रशासन, स्काउट गाइड संगठन एवं नगर निगम के पदाधिकारियों ने गांधीजी को माल्यार्पण कर सर्वधर्म प्रार्थना सभा में शिरकत की। जिला संगठन आयुक्त (स्काउट) प्रदीप चित्तौड़ा के नेतृत्व में रोवर रेंजर द्वारा सर्वधर्म प्रार्थना सभा में भजन आदि प्रस्तुत किए गए। प्रार्थना सभा के उपरांत 18वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जंबूरी पाली का बैनर होर्डिंग का अनावरण सहायक राज्य संगठन आयुक्त दिलीप कुमार माथुर के नेतृत्व में जिला कलेक्टर ओपी बुनकर के मुख्य आतिथ्य एवं अतिरिक्त जिला कलेक्टर नरेंद्र जैन, उपमहापौर सोनू कुरेशी, आयुक्त नगर निगम राजपाल सिंह, प्रमुख समाजसेवी वरुण एवं सुरभि गोयल के साथ दशहरा मेला समाज सेवा शिविर के प्रभारी स्वदेश सिंह के नेतृत्व में रोवर रेंजर ने भाग लेकर अनावरण कराया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर

ओपी बुनकर ने कहा कि जितना हो सके कोटा शहर में 18वीं राष्ट्रीय जंबूरी का प्रचार प्रसार किया जाए। इस अवसर पर जिला कलेक्टर महोदय ने प्रमुख समाज सेवी वरुण को धन्यवाद देते हुए कहा कि आप द्वारा जो प्रचार प्रसार में सहायता दी जा रही है वह सराहनीय है।

दशहरा मेला में दी सराहनीय सेवाएं

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला कोटा के तत्वावधान में सहायक राज्य संगठन आयुक्त दिलीप कुमार माथुर के सान्निध्य में एवं जिला संगठन आयुक्त प्रदीप चित्तौड़ा के नेतृत्व में राष्ट्रीय दशहरा मेला में आयोजित समाज सेवा शिविर में सराहनीय सेवा करने वाले रोवर स्काउट रेंजर को जिला कलेक्टर ओ.पी. बुनकर ने प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने राष्ट्रीय जंबूरी की जानकारी भी प्रदान की। कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला

कलेक्टर बृजमोहन बैरवा ने भी स्काउट गाइड संगठन को सेवा का पर्याय बताते हुए अनुशासित संगठन एवं सभी कार्यों में हमेशा आगे रहने की बात कही। समारोह में सहायक निदेशक डॉक्टर मोहन लाल ने राष्ट्रीय जंबूरी में रोवर रेंजर जो की सेवा के लिए जाएंगे उनको पूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम समन्वयक स्वदेश सिंह ने बताया कि जंबूरी सेवा शिविर में कोटा जिले से 100 रोवर रेंजर भाग लेकर जंबूरी ग्राउंड में अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे। शिविर संचालक रूप चंद शर्मा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। समारोह में स्काउट मास्टर जसराज सिंह, रोवर साजन सेन, निशांत काल एवं विजय शर्मा ने अपने महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान की।

उदयपुर मण्डल

ध्वजारोहण के साथ राज्य पुरस्कार स्काउट अनुशंसा शिविर का हुआ शुभारंभ

◈ भारत स्काउट व गाइड, मण्डल मुख्यालय, उदयपुर के अन्तर्गत जिला उदयपुर के तत्वावधान में जिला स्तरीय राज्य पुरस्कार स्काउट अनुशंसा शिविर 07 से 10 अक्टूबर तक मण्डल शिविर केन्द्र, उदयनिवास पर आयोजित किया गया। ध्वजारोहण के साथ शिविर का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर बतौर शिविराधिपति सुरेंद्र कुमार पाण्डे जिला संगठन आयुक्त (स्काउट) ने संबोधित करते हुए कहा कि स्काउटिंग जीवन जीने की कला सिखाती है। स्काउटिंग के माध्यम से अनुशासन सीखने को मिलता है। उन्होंने बताया कि इस शिविर में उदयपुर जिले के राजकीय एवं निजी विद्यालयों से

राज्य पुरस्कार के लिए ऑनलाइन पंजीकृत 157 स्काउट्स जांच प्रक्रिया में शामिल हुए हैं। श्री पाण्डे ने बताया कि शिविर में प्रवेश से राज्य पुरस्कार तक के निर्धारित पाठ्यक्रम अनुसार लिखित, मौखिक एवं प्रायोगिक परीक्षा ली गई। सेवा कार्य, दक्षता बैज, हाईक आदि की लोग बुक जांच की गयी है। निर्धारित स्काउट यूनिफार्म एवं उससे संबंधित सभी जानकारी, सामान्य ज्ञान, स्काउट गाइड स्किल्स, कैंप क्राफ्ट, पायनियरिंग, गांठों, प्राथमिक सहायता, दिशा ज्ञान का परीक्षण किया गया है।

शिविर का संचालन सहायक लीडर ट्रेनर तेजशंकर चौबीसा द्वारा किया गया। परीक्षण कार्य में राधेश्याम मेनारिया, वक्तावर सिंह देवड़ा, गणपतलाल मेनारिया, श्याम किशोर उपाध्याय, सोहनलाल मेघवाल, राजवीर सिंह ने सहयोग प्रदान किया। शिविर व्यवस्थाओं में स्काउट्स के साथ उपस्थित सभी स्काउट मास्टर द्वारा सहयोग प्रदान किया गया।

बैज प्रणाली

स्काउट-गाइड के भविष्य को दिशा प्रदान करते हैं - दक्षता बैज

बैज प्रणाली स्काउटिंग में प्रशिक्षण का एक अहम् हिस्सा है। इसके द्वारा मानव की सहज आवश्यकताओं की पूर्ति की जा सकती है। बैडन पॉवेल ने स्काउटिंग में इसे मान्यता प्रदान की क्योंकि इसके द्वारा दक्षता बैज प्राप्त करना बालक को करियर निर्माण की दिशा में आगे बढ़ने को प्रदर्शित करता है। जब एक बालक अपनी वर्दी पर विभिन्न बैज लगाकर चलता है तो अपने आप पर गर्व और अपनी प्रगति पर आनन्दित होता है।

बैज एक स्काउट के आगे बढ़ने का प्रमाण है। यह बताता है कि उक्त बालक ने अमुक विषय में दक्षता प्राप्त कर इसे अर्जित किया है। यह सीखने–समझने को प्रदर्शित करता है तथा एक स्काउट को आगे सीखने एवं बढ़ने की ओर प्रेरित करता है।

बैज प्रणाली

1. अग्रसरण सैद्धान्तिक रूप से प्रमाण है कि युवक क्या करने की योग्यता रखता है; यह उसने क्या किया है का पुरस्कार नहीं है।
2. प्रगति का तात्पर्य एक उद्देश्य की पूर्ति का माध्यम है। अपने आप में अन्तिम लक्ष्य नहीं है।
3. स्काउट के तरीके में "करके सीखना" Learning by doing अत्यावश्यक है।
4. प्रगति मन के अन्दर से प्रोत्साहित करना है बाहर से नहीं दी जा सकती।
5. प्रत्येक युवक अपनी समयावधि, शक्ति एवं योग्यता के आधार पर प्रगति करता है।

बैज दो प्रकार के होते है-

१. योग्यता बैज : जैसे प्रवेश या सदस्यता बैज, प्रथम सोपान, द्वितीय सोपान, तृतीय सोपान, राज्य पुरस्कार व राष्ट्रपति पुरस्कार।

२. विशेष दक्षता बैज : यह किसी खास विषय में विशेष योग्यता प्राप्त स्काउट को प्रदान किया जाता है, जैसे–गार्डनर, कुक, आर्टिस्ट, होम क्राफ्ट, टॉय मेकर, बुक बाइन्डर, एम्बूलेन्स, फॉरेस्टर, नागरिक सुरक्षा, केम्पर, स्वीमर, पशुपालक आदि। ए. पी.आर.ओ. II में 97 विषयों के दक्षता बैज का पाठ्यक्रम दिया गया है। इन बैजों को चार विभागों चरित्र, स्वास्थ्य, कला कौशल एवं सेवा में विभाजित किया गया है। स्काउट विभाग इनको प्राप्त करने का प्रयास कर अपना चहुँमुखी विकास कर सकता है।

बालक की सहज प्रवृति होती है कि अधिक से अधिक बैज अपनी वर्दी पर लगावें। इसके लिये आवश्यक है कि उसे योग्य शिक्षक का मार्गदर्शन मिले एवं तैयारी के बाद उसकी जाँच समय पर की जावें। इसके अभाव में बालक को इधर–उधर भटकना पड़ता है और अधिक समय हो जाने पर वह हताश हो जाता है।

एक स्काउट यूनिट लीडर का उत्तरदायित्व है कि अपने प्रत्येक स्काउट जो उसके ट्रुप में है को बैज के चुनाव करने में एवं उसके प्रशिक्षण में पूरा सहयोग करें।

स्काउट अपने खाली समय को अपनी स्काउटिंग की योग्यता वृद्धि में लगाकर उसका सदुपयोग कर सकते हैं।

कुछ आवश्यक बातें :

1. दक्षता बैज से सम्बन्धित चार्ट बना कर स्काउट डेन में लगाये जा सकते है जो आवश्यकता के समय काम आ सके।
2. विभिन्न बैजों का पाठ्यक्रम स्काउट को उपलब्ध कराया जावें।
3. विभिन्न बैजों से सम्बन्धित पुस्तकें ट्रुप/पैट्रोल पुस्तकालय में उपलब्ध कराई जावें।
4. विभिन्न लोगों का सक्रिय सहयोग जैसे–सहायक यूनिट लीडर, पैट्रोल लीडर, वरिष्ठ स्काउट रोवर इत्यादि, प्राप्त किया जावें।
5. समय–समय पर विषय के विशेषज्ञों को बुलाकर प्रशिक्षण की व्यवस्था की जावें। जैसेः बस्ती का साइकिल की दुकान वाला साइक्लिस्ट का प्रशिक्षण दे। डाक्टर को बुलाकर एम्बुलेन्स का प्रशिक्षण दिलाना उपयुक्त हो सकता है।

परीक्षा :

जब स्काउट यूनिट लीडर इस बात से संतुष्ट हो जावे कि बालक परीक्षा के लिये तैयार है तो वह परीक्षक की व्यवस्था करें। यह यूनिट लीडर का दायित्व है या तो बालक को परीक्षक के पास ले जावे या परीक्षक को विद्यालय में बुलाकर परीक्षा की व्यवस्था करें।

अपने स्थानीय संघ से सम्पर्क बनाकर रखें व परीक्षकों की नियुक्ति करावें। यदि वहाँ पर विषय से संबंधित परीक्षक की नियुक्ति नहीं दी गई है तो नियुक्ति कराने के लिये प्रस्ताव दिया जाना चाहिए।

परीक्षक के दायित्व :

1. सर्वप्रथम बैज की विषय जानकारी प्राप्त करें। दक्ष विषयक स्काउट यूनिट लीडर से अवश्य विचार विमर्श करें।
2. बालक को असाइंमेन्ट समान रूप से दें।
3. सभी विषयों में परीक्षण की एक विधि न रखें अर्थात् विषय के अनुसार परीक्षण विधि में अन्तर होना चाहिए।
4. समाज सेवा परीक्षा प्रायोगिक लेना अधिक उत्तम रहता है।
5. उन्हें इस प्रकार का वातावरण बनाना चाहिए, जिसमें बालक विस्तार पूर्वक एवं स्वतंत्र रूप से विचार व्यक्त कर सकें।
6. ग्रुप का परीक्षण करना प्रभावी नहीं होता अतः व्यक्तिगत रूप से परीक्षण लें।
7. असफल बालक को स्पष्ट कारण बताना चाहिए और उस बालक को आगे की तैयारी हेतु सुझाव देने चाहिए।

स्काउट में बालक को प्रारम्भ से ही सुनागरिकता के लिये प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। प्रशिक्षण की अन्य पद्धतियों के साथ ही बैज प्रणाली एक सहज एव सरल तरीका है। बालक बैज प्राप्त करने की चाहत में सम्बन्धित बैज का पाठ्यक्रम पूरा कर अपने ज्ञान व कौशल में वृद्धि करता है।

बालक जिस कला में कमजोर होता है उससे संबंधित बैज को प्राप्त करने हेतु यूनिट लीडर उसे प्रेरित करता है ताकि बालक का चहुँमुखी विकास हो सके। ■

विश्व पर्यावरण संरक्षण दिवस

◇ स्काउट गाइड ज्योति डेस्क

पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने एवं लोगों को जागरूक करने के सन्दर्भ में सकारात्मक कदम उठाने के लिए प्रतिवर्ष '26 नवम्बर' को विश्व पर्यावरण संरक्षण दिवस मनाया जाता है। यह दिवस 'संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम' (यूएनईपी) के द्वारा आयोजित किया जाता है। पिछले करीब तीन दशकों से ऐसा महसूस किया जा रहा है कि वैश्विक स्तर पर वर्तमान में सबसे बड़ी समस्या पर्यावरण से जुड़ी हुई है। इस सन्दर्भ में ध्यान देने वाली बात है कि करीब दस वैश्विक पर्यावरण संधियाँ और करीब सौ के आस–पास क्षेत्रीय और द्विपक्षीय वार्ताएं एवं समझौते संपन्न किये गये हैं। ये सभी सम्मलेन रिओ डी जेनेरियो में किये गए। पृथ्वी सम्मलेन जो कि 1992 के संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण और विकास कार्यक्रम के आलोक में किये गए हैं। रिओ डी जेनेरियो में किया गया सम्मलेन अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण से जुड़े सम्मेलनों एवं नीतियों के सन्दर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण बिन्दु था।

समझौते

मानवीय क्रियाकलापों की वजह से पृथ्वी पर बहुत सारे प्राकृतिक संसाधनों का विनाश हुआ है। इसी सन्दर्भ को ध्यान में रखते हुए बहुत सारी सरकारों एवं देशो नें इनकी रक्षा एवं उचित दोहन के सन्दर्भ में अनेकों समझौते संपन्न किये हैं। इस तरह के समझौते यूरोप, अमरीका और अफ्रीका के देशों में 1910 के दशक से शुरू हुए हैं। इसी तरह के अनेकों समझौते जैसे– क्योटो प्रोटोकाल, मांट्रियल प्रोटोकाल और रिओ सम्मलेन बहुराष्ट्रीय समझौतों की श्रेणी में आते हैं। वर्तमान में यूरोपीय देशों, जैसे– जर्मनी में पर्यावरण मुद्दों के सन्दर्भ में नए–नए मानक अपनाए जा रहे हैं, जैसे– पारिस्थितिक कर और पर्यावरण की रक्षा के लिए बहुत सारे कार्यकारी कदम एवं उनके विनाश की गतियों को कम करने से जुड़े मानक आदि।

क्योटो प्रोटोकाल का मुख्य उद्देश्य विकसित देशों द्वारा वर्ष 2012 तक 1990 के ग्रीन हाउस गैसों के स्तर से 5 फीसदी कम स्तर प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसी तरह मांट्रियल प्रोटोकाल में ओजोन की परत को नष्ट करने वाले पदार्थों के उत्पादन को प्रतिबंधित करने का प्रावधान किया गया है। ध्यान रहे की वर्ष 1998 में मांट्रियल में हुए सम्मलेन में विश्व के 12 ऐसे पदार्थों के उत्पादन को प्रतिबंधित करने का लक्ष्य रखा गया था जो कि प्रदूषण को बढ़ावा देने के साथ–साथ पर्यावरण को भी हानि पहुंचा रहे थे।

दो विशेष कार्य

दो ऐसे कार्य हैं जो वैश्विक स्तर पर काफी गहराई से विचारे और कार्यान्वित किये गए हैं–

'अर्थव्यवस्था का विकास'

'पर्यावरण की सुरक्षा'

संयुक्त राष्ट्र के तंत्र के अंतर्गत संपोषणीय विकास पर एक आयोग (कमिशन आन सस्टेनेबल डेवलपमेंट) की स्थापना की गयी थी।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम एक प्राथमिक अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरणीय एजेंसी है, जिसका मूल उद्देश्य पर्यावरणीय परिस्थितियों के सन्दर्भ में न केवल समीक्षा करना है बल्कि पर्यावरणीय सहयोग को बढ़ावा देना भी है। यह संस्था अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पर्यावरण के महत्व और उससे जुड़ी जानकारी के विनिमय में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। 1997 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में जर्मन चांसलर हेल्मूट कोहल ने संयुक्त राष्ट्र चार्टर के प्रावधानों में संसोधन की बात कही थी। साथ ही संयुक्त राष्ट्र के मुख्य उद्देश्यों के अन्तर्गत संपोषणीय विकास को शामिल करने का मुद्दा भी उठाया था। इसके अलावा पर्यावरणीय संगठनो के द्वारा इस सन्दर्भ में वैश्विक सामंजस्य को स्थापित करने की रणनीति को यूएनईपी का केंद्र बिन्दु माना था।

वैश्विक अर्थव्यवस्था का एकीकरण

पर्यावरणीय सुरक्षा एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था के समन्वित विकास के सन्दर्भ में यह बहुत जरूरी है कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापारिक गतिविधियों का संपोषणीय विकास हो। इस सन्दर्भ में पर्यावरणीय मुद्दों पर बहुत सारे कानूनों एवं नियमो का विकास विश्व बैंक और विश्व व्यापार संगठन के द्वारा निर्मित किया गया है। विश्व बैंक के द्वारा पर्यावरणीय मुद्दों पर अनेक रणनीतियों को अपनाया गया है। साथ ही अपने सभी सदस्यों को इस सन्दर्भ में अद्यतन किया गया है। अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थाएं मानवीय गतिविधियों के पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने पर खासा जोर देती है। संयुक्त राष्ट्र के ओवरसीज प्राइवेट इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन संस्थान ने अपना यह दृष्टिकोण बना लिया है कि मांट्रियल प्रोटोकाल के अन्तर्गत प्रतिबंधित रासायनिक पदार्थ जो कि ओजोन परत का

शेष पृष्ठ 25 पर

हमारे महापुरुष

महान वैज्ञानिक : भारत रत्न सी.वी. रमन

◇ विजय सिंह माली
पूर्व प्रधानाचार्य
रा.आ.उ.मा. विद्यालय,
गुडा जाटान (पाली)

विज्ञान की गौरवशाली परम्परा वाले भारत देश मे अनेकानेक ज्येष्ठ–श्रेष्ठ वैज्ञानिकों ने जन्म लेकर विज्ञान की साधना की। भारत के महान वैज्ञानिकों में से एक चन्द्रशेखर वेंकट रमन का जन्म 7 नवम्बर 1888 को तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली के उपनगरीय गाँव तिरुवनेकावल में हुआ। इनके पिता का नाम आर.चन्द्रशेखर आयेर व माता का नाम पार्वती अम्मल था। अध्ययनशील शिक्षक पिता से उन्हें विज्ञान व संगीत के प्रति प्रेम विरासत में मिला तथा माता से भाषा के प्रति लगाव।

रमन जन्मजात प्रतिभा सम्पन्न थे। उन्होंने केवल 11 वर्ष की आयु में विशाखापट्टनम से मेट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण की तथा 1902 में 12वीं (एफ.ए) की परीक्षा उत्तीर्ण कर छात्रवृति के साथ बी.ए. में अध्ययन के लिए प्रेसीडेन्सी कॉलेज मद्रास (चेन्नई) में प्रवेश लिया। बी.ए. की परीक्षा विशेष योग्यता सहित प्रथम व उपलब्ध सभी पुरस्कारों के साथ 1904 में उत्तीर्ण की। तब इनके शिक्षकों ने इन्हें आई.सी.एस. की परीक्षा की तैयारी का सुझाव दिया, लेकिन इंग्लैण्ड जाने के लिए चिकित्सकीय दृष्टि में अयोग्य होने पर प्रेसीडेन्सी कॉलेज मद्रास में ही एम.ए. भौतिक में प्रवेश ले लिया। रमन अध्ययन के दौरान केवल पाठ्यक्रम सामग्री तक सीमित न रहकर मूल विषयों की दृढ़ पकड़ पर भी काफी ध्यान देते थे। प्रोफेसर जोन्स ने भी उन्हें इस दिशा में प्रोत्साहित किया। उन्होंने महत्वपूर्ण शोधपत्र ब्रिटिश पत्र–पत्रिकाओं में प्रकाशित किए तथा 1907 में एम.ए. की डिग्री प्रथम श्रेणी में प्रथम स्थान व उच्च अंकों के साथ उत्तीर्ण की। इसी वर्ष वे इंडिया ऑडिट एवं अकाउन्ट्स परीक्षा में बैठकर प्रथम स्थान के साथ सफल रहे। इसी वर्ष इनका विवाह मदुरै की लोकसुन्दरी के साथ हुआ।

रमन की नियुक्ति कोलकाता में इंडियन फाइनेंस डिपार्टमेन्ट में असिस्टेन्ट अकाउटेंट जनरल के पद पर हुई। वित्त विभाग के अधिकारी के रूप में उन्होंने 10 वर्ष बिताए। इस दौरान उन्होंने अपने को इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टीवेशन

ऑफ साइंस जो डॉ. महेन्द्र लाल सरकार द्वारा स्थापित किया गया था, के साथ सम्बद्ध कर लिया। फाइनेंस डिपार्टमेंट में अपने–अपने दैनिक कार्य के पहले व बाद में कई घंटे इस संस्थान में अपने शोध के लिए लगाते। रमन ने इस अवधि को अपने जीवन के स्वर्ण युग का नाम दिया। 1916 में महामना मदनमोहन मालवीय के निमत्रंण पर बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय गए तथा भौतिकी में अपने द्वारा किए शोध कार्यों की जानकारी भी दी।

उन्होंने इस दोहरे दायित्व को 1917 तक निभाया जब उन्होंने सरकारी पद को त्यागकर कलकत्ता विश्वविद्यालय में प्रोफेसर पद पर नियुक्ति ले ली। रमन प्रतिभाशाली शिक्षक थे और छात्रों को प्रत्येक विषय में महान वैज्ञानिकों के शोधपत्रों एवं मौलिक पुस्तकों के अध्ययन के लिए प्रोत्साहित करते थे। रमन मातृभाषा के माध्यम से शिक्षा देने के पक्ष में थे। 1921 तक रमन ध्वनिकी विज्ञान व तरंग प्रकाशिकी में ख्याति प्राप्त कर चुके थे। 1921 में कलकत्ता विश्वविद्यालय ने इन्हें इनकी वैज्ञानिक उपलब्धियों के लिए डॉक्टर ऑफ साइंस (डी.एससी) की मानद उपाधि देने का निर्णय लिया। 1921 में ही इन्हें ऑक्सफोर्ड में होने वाली कांग्रेस के लिए कलकत्ता विश्वविद्यालय की ओर से प्रतिनिधि के रुप में भाग के लिए विदेश जाना पड़ा। इस दौरान उन्होंने लंदन की सेंटपॉल के केथेडरल की फुसफुसाहट घटना की दीर्घा का भी अध्ययन किया। इंग्लैण्ड से पुनः भारत लौटने की समुद्री यात्रा के दौरान वे भूमध्य सागर के गहरे नीले रंग से बहुत आकर्षित हुए और समुद्र के नीले रंग के परीक्षण में जुट गए। अपने पास विद्यमान उपकरणों की सहायता से उन्हें यह पूरा विश्वास हो गया कि सागर का नीला रंग जल के अणुओं द्वारा प्रकाश के प्रकीर्णन के कारण ही था। जहाज पर ही उन्होंने शोधपत्र तैयार कर नेचर में प्रकाशन के लिए भेजा।

कोलकाता वापस आकर रमन जल व अन्य द्रवों के द्वारा प्रकाश के प्रकीर्णन पर गहन प्रयोग में अपने को आत्मसात् कर लिया। 1924 में वे लंदन की रॉयल सोसायटी के फेलो चुने गए। रमन ने शोध कार्य को जारी रखते हुए रुपान्तरित प्रकीर्णन की खोज को नेचर में मार्च 1928 में प्रकाशित करवाया। रमन प्रभाव के नाम से विख्यात इस खोज ने वैज्ञानिकों का ध्यान आकर्षित किया। रमन प्रभाव से यह दृढ़ हो गया कि प्रकाश उन कणों से बना है जिसे फोटॉन कहते है। रमन को अपनी खोज के लिए नोबेल पुरस्कार पाने का पूरा विश्वास था। 1929 में ब्रिटिश सरकार द्वारा उन्हें सर की उपाधि दी गई। 14 नवम्बर 1930 को सर सी.वी. रमन को भौतिकी के लिए नोबल पुरस्कार देने की घोषणा हुई। 10 दिसम्बर 1930 को उन्होंने स्वीडन की राजधानी स्टाक होम में नोबेल पुरस्कार प्राप्त किया। भारत लौटने पर कोलकाता में भव्य नागरिक अभिनंदन किया गया। भारतीय विज्ञान संस्थान जिसकी स्थापना 1911 में जमशेद जी. टाटा द्वारा की गई थी, के निदेशक पद पर प्रसिद्ध वैज्ञानिक लार्ड रदरफार्ड की अनुशंषा पर 1933 में सी.वी. रमन को नियुक्त किया गया। वह इस पद को ग्रहण करने वाले रमन प्रथम भारतीय थे। रमन ने संस्थान में 1933–1948 तक सेवाएं दी। यहाँ रहते हुए भी इन्होंने अनेक शोध किए। प्रसिद्ध रमन नाथ सिद्धांत दिया। एक्सरे परावर्तन का अध्ययन किया। वे इंडियन अकादमी ऑफ साइंसेज के जीवन पर्यन्त अध्यक्ष रहे। वे महात्मा गांधी को अपना अनन्यतम मित्र मानते थे। उन्होंने रमन शोध संस्थान में प्रत्येक वर्ष 2 अक्टूबर को गांधी स्मारक व्याख्यान आयोजित करने की परम्परा स्थापित की। 2 अक्टूबर 1970 को परम्परा के अनुसार रमन शोध संस्थान में गांधी स्मारक पर व्याख्यान दिया।

पृष्ठ 23 का शेष

विश्व पर्यावरण संरक्षण दिवस

क्षरण करते हैं, के उत्पादन से जुड़ी प्रत्येक गतिविधि और अन्य अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरणीय कार्यक्रमों के विकास की दिशा में बाधक गतिविधियों को किसी भी प्रकार का वित्तीय सहयोग नहीं किया जायेगा।

वर्तमान में पर्यावरण निविष का बाजार भारी स्तर पर फल–फूल रहा है। क्योटो प्रोटोकाल विकसित राष्ट्रों से औद्योगिक स्तर पर किये जाने वाले ग्रीन हाउस गैसों के उत्पादन को कम करने की मांग कर रहा है जो कि नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने वाली तकनीक की मांग को भी बढ़ाने में मददगार है। इस तरह की तकनीक को ग्रीन हाउस तकनीक के नाम से भी जाना जाता है। इस तकनीक के लिए विकासशील राष्ट्र भी इन विकसित राष्ट्रों की तरफ आशा भरी नजरों से देख रहे हैं। बहुत सारे पर्यावरण से जुड़े गैर–सरकारी संगठन अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरणीय मुद्दों को विशेषकर विकसित राष्ट्रों के सन्दर्भ में उठाते रहते हैं। साथ ही उनकी जिम्मेदारियों का एहसास भी उन्हें कराते रहते हैं। इसके अलावा अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संगठनो ने अपने दफ्तरों की स्थापना की है, जहाँ पर नागरिक समुदाय पर्यावरण से जुड़े अपने मुद्दों एवं समस्याओं को न केवल एक दूसरे से साझा कर सकता है बल्कि अपनी आवाज भी उठा सकता है।

गतिविधि पञ्चांग

राज्य स्तरीय पञ्चांग

प्रस्तावित

गतिविधि का नाम	स्थान	दिनांक
आत्मरक्षा प्रशिक्षण	जिला स्तर पर	प्रतिमाह
नेशनल ग्रीन कोर गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर	01–04 नवम्बर, 2022
पुष्कर मेला सेवा शिविर	पुष्कर, अजमेर	05–09 नवम्बर, 2022
स्काउट/गाइड झण्डा दिवस	ग्रुप/स्थानीय संघ स्तर	07 नवम्बर, 2022
कब बुलबुल एक रात्रि शिविर	स्थानीय संघ	30 नवम्बर 2022 तक
द्वितीय/तृतीय सोपान स्काउट/गाइड जांच शिविर	स्थानीय संघ स्तर पर	30 नवम्बर 2022 तक
ग्रामीण रोवर/रेंजर निपुण प्रशिक्षण शिविर	जिला स्तर पर	30 नवम्बर 2022 तक
दिव्यांग स्काउट/गाइड प्रशिक्षण शिविर	मण्डल स्तर पर	30 नवम्बर 2022 तक
अनाथालय स्काउट/गाइड प्रशिक्षण शिविर	मण्डल स्तर पर	30 नवम्बर 2022 तक
अनुसूचित जाति स्काउट/गाइड प्रशिक्षण शिविर	जिला स्तर पर	30 नवम्बर 2022 तक

राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

NAME OF EVENTS	MONTHS & DATES	VENUE
National Level Adult Leader Trekking	01 - 05 November, 2022	Katra, Jammu & Kashmir
Azadi ka Amrit Mahotsav - National Level Group Dance Competition	Pre.Round on 03.09.2022	Virtual
18th National Jamboree	04 - 10 January, 2023	Pali-Marwar (Rajasthan)

अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

NAME OF EVENTS	MONTHS & DATES	VENUE
8th Friends of Asia Pacific WAGGGS Regional Gathering	07 - 09 November, 2022	Bangkok, Thailand
1st SAANSO Training Course for ALT	01 - 16 November, 2022	Sri Lanka
GYM AP Regional Youth Summit - SANGAM	07 - 11 November, 2022	Sangam, Pune
Juliette Low Seminar (JLS) 2022	02 - 11 December, 2022	Virtual
32nd Asia-Pacific Regional Scout Jamboree	11 - 19 December, 2022	Bangladesh
25th World Scout Jamboree	01 - 12 August, 2023	Saemangeum, Korea

National Headquarters website : www.bsgindia.org

जम्बूरी कार्यों की प्रगति दर्शाती तस्वीरें

जम्बूरी स्थल पर रीको अधिकारियों से चर्चा करते स्काउट अधिकारी तथा वाटर एक्टिविटी स्थल की सफाई करते हुए सर्विस रोवर्स। जम्बूरी स्थल पर कार्यों यथा शोचालय निर्माण, बिजली के खम्भें व डी.पी. लगना, पानी की जीएलआर का निर्माण एवं जम्बूरी कार्यालय हेतु कंटेनर का आना आदि कार्य–प्रगति को दर्शाती तस्वीरें।

पाली (राजस्थान) स्थित जम्बूरी स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा किये जा रहे कार्यों का अवलोकन करते हुए राज्य मुख्यायुक्त श्री निरंजन आर्य। विभागों के प्रतिनिधियों ने श्री आर्य को कार्यों की प्रगति से अवगत कराते हुए मौके पर चल रहे कार्यों से रूबरू कराया।

प्रकाशक व मुद्रक : डॉ. पी.सी. जैन, राज्य सचिव, राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स व गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर फोन नं. 0141–2706830 द्वारा मैसर्स हरिहर प्रिण्टर्स, जे–97, अशोक चौक, आदर्श नगर, जयपुर–302004 फोन : 0141–2600850 से मुद्रित।

हिन्दी मासिक एक प्रति ₹ पन्द्रह
प्रकाशन – प्रत्येक माह
पंजीकृत समाचार पत्रों की श्रेणी के अन्तर्गत
आर.एन.आई. नम्बर : RAJ BIL/2000/1835

प्रेषक :–
राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर–302015
फोन : 0141–2706830, 2941098
ई–मेल : scoutguidejyoti@gmail.com